भारत ने साउथ अफ्रीका को आखिरी टी20ई में 135 रन से हराकर चार मैच की सीरीज को 3-1 से जीत लिया है। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने लगातार तीसरी सीरीज जीती है।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्षः29 अंकः333 दिनांकः16-11-2024 शनिवार मूल्यः1 रूपया 50 पैसा पृष्ठः4 अहमदाबाद M

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन 20 नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान में कई लोगों की आंखों का आकर्षण होंगी।

एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण के कारण ग्रेप स्टेज 3 लागू

- स्कूलों और निर्माण परियोजनाओं पर प्रतिबंध

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से लड़ने के लिए ग्रेडेड एक्शन रिस्पांस प्लान (ग्रेप)का स्टेज 3 का लागू होना एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। इस प्लान के तहत कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं, जिनमें बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल वाहनों पर प्रतिबंध और निर्माण कार्यों पर रोक शामिल हैं। इसके साथ ही, स्कूलों में छुट्टियों की घोषणा भी की गई है। ग्रेप स्टेज 3 के अंतर्गत एनसीआर में सभी निर्माण कार्यों को पूरी तरह से रोक दिया जाएगा, सिवाय कुछ जरूरी परियोजनाओं के। इससे न केवल निर्माण कंपनियों पर असर पड़ेगा, बल्कि सड़क निर्माण कार्यों पर भी यह नियम लागू होगा। आगे बढ़ते हुए, बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल वाहनों की आवाजाही को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिससे लगभग 5.5 लाख वाहन प्रभावित होंगे। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर गंभीर होने के कारण प्राइमरी से कक्षा 5 तक के स्कूलों को बंद कर दिया गया है और उन्हें ऑनलाइन मोड में संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। नोएडा और गाजियाबाद में फिलहाल स्कूलों को बंद करने के निर्देश नहीं दिए गए हैं, लेकिन आउटडोर गतिविधियों को रोक लगा दिया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, प्रस्तावित मौसमी परिवर्तनों के कारण प्रदूषण और भी बढ़ सकता है। इन परिवर्तनों में पहाड़ों पर हुई बर्फबारी के बाद मैदानों में तापमान का गिरना, हवाओं की गति में कमी आना और नमी का बढ़ना शामिल है।

इन मौसमी परिवर्तनों ने धुंध की चादर को और भी गहरा कर दिया है, जिससे प्रदूषण का स्तर और भी खतरनाक हो सकता है। एनसीआर में कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो चुकी है, और इसके स्वास्थ्य पर गंभीर असर हो सकते हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे बाहर जाने से बचें और यदि आवश्यक हो तो मास्क का इस्तेमाल करें। नागरिकों से सरकार द्वारा जारी की गई दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है।

चैंपियंस ट्रॉफी पीओके नहीं जाएगी , आईसीसी की फटकार के बाद पीसीबी ने बदला ट्रॉफी टूर

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी को अधिकृत कश्मीर (पीओके) में नहीं ले जाया जाएगा। इससे पहले पीसीबी ने कहा था कि इसे स्कार्दू, हुंजा और मुजफ्फराबाद में तीन शहरों को में भी ले जाया जाएगा पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की फटकार के बाद उसने अपना इरादा बदल दिया है। आईसीसी ने कहा था कि वह वह विवादित क्षेत्रों को टूर में शामिल नहीं करे। आईसीसी ने स्कार्दू, हुंजा और मुजफ्फराबाद में चैंपियंस ट्रॉफी को नहीं ले जाने कहा था। ये क्षेत्र पाकिस्तान के पीओके में आते हैं। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी को दुबई से इस्लामाबाद भेज दिया है। अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस ट्रॉफी के टूर के लिए तैयार है।

पीसीबी ने सोशल मीडिया में पहले कहा था, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 ट्रॉफी टूर 16 नवंबर को इस्लामाबाद में शुरू होगा। जिसमें स्कार्दू, हुंजा और मुजफ्फराबाद जैसे दर्शनीय पर्यटन स्थलों का भी दौरा किया जाएगा। 16-24 नवंबर तक ओवल में सरफराज अहमद द्वारा 2017 में उठाई गई ट्रॉफी की एक झलक देखने को मिलेगी। वहीं अब आईसीसी ने पीसीबी को पीओके के हिस्से वाले क्षेत्रों में ट्रॉफी टूर आयोजित करने से मना कर दिया है, क्योंकि बीसीसीआई ने इसपर आपत्ति जतायी थी। बीसीसीआई ने पहले ही पाक का दौरा करने से मना कर दिया है। उसने आईसीसी को भी यह बात बता दी है। वहीं पीसीबी ने आईसीसी को पत्र लिखकर भारत के पाकिस्तान न जाने के फैसले पर स्पष्टीकरण मांगा है।

हाईकोर्ट का अहम फैसला, भंगी, नीच, भिखारी, मंगनी...ये जातिसूचक शब्द नहीं

-आरोपियों के खिलाफ एससी व एसटी अधिनियम के तहत लगे आरोपों को हटाया

जयपुर,(ईएमएस)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाते हुए जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने के मामले में चार आरोपियों के खिलाफ एससी व एसटी अधिनियम के तहत लगाए गए आरोपों को हटा दिया है। जोधपुर बेंच ने कहा कि भंगी, नीच, भिखारी, और मंगनी जैसे शब्द जातिसूचक नहीं हैं और इन शब्दों का इस्तेमाल करते हुए आरोपियों ने किसी की जाति को लक्षित नहीं किया था।

कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया कि कोई भी सबूत नहीं था जो यह साबित करता हो कि आरोपियों को अपनी टिप्पणियों में उनके खिलाफ बयान देने वाले लोक सेवकों की जाति के बारे में जानकारी थी। यह मामला तब सामने आया जब अतिक्रमण हटाने गई टीम के खिलाफ कुछ युवकों ने आरोप लगाया कि उनकी जमीन का माप गलत किया गया है और इस पर गालियां दी गईं। इन गालियों में आरोपियों ने 'भंगी' और 'नीच' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। हालांकि, आरोपियों ने कोर्ट में तर्क दिया कि उनका उद्देश्य इन शब्दों से उनको अपमानित करना नहीं था, बल्कि यह शब्द जमीन के गलत माप के खिलाफ नाराजगी के तौर पर इस्तेमाल किए गए थे।

जांच में पुलिस ने पाया कि आरोप सही नहीं थे और न ही कोई स्वतंत्र गवाह था जो आरोपों का समर्थन कर सके। इसके बाद हाईकोर्ट ने इस मामले में कहा कि आरोपियों का इरादा लोक सेवकों को अपमानित करना नहीं था, बल्कि उनकी प्रतिक्रिया गलत माप की प्रक्रिया के खिलाफ थी। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि एससी-एसटी एक्ट के तहत आरोपियों पर लगाए गए आरोपों को हटाने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट के रमेश चंद्र वैश्य बनाम यूपी राज्य मामले का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि इस मामले में भी आरोपियों और आरोपित लोक सेवकों के अलावा कोई स्वतंत्र गवाह मौजूद नहीं था और पुलिस ने जांच के बाद आरोपों को सही नहीं पाया। कोर्ट ने कहा कि इसलिए एससी-एसटी अधिनियम की धारा के तहत अपराध नहीं बनता और आरोपियों को आरोप मुक्त कर दिया गया।

हाईकोर्ट का यह फैसला विशेष रूप से काफी अहम है क्योंकि यह इस बात को साफ करता है कि यदि किसी व्यक्ति का इरादा जातिसूचक टिप्पणी करने का नहीं था और यदि आरोपों का समर्थन करने के लिए कोई स्वतंत्र गवाह नहीं है, तो ऐसे मामलों में एससी-एसटी एक्ट के तहत आरोपियों को दोषी नहीं माना जा सकता है।

झांसी के मेडिकल कॉलेज में लगी भीषण आग में 10 बच्चों की मौत, 30 से अधिक को बचाया; सेना को बुलाया

झांसी, झांसी के मेडिकल कॉलेज के शिशु वार्ड में शुक्रवार रात भीषण आग लग गई। हादसे में अब तक 10 बच्चों की मौत हो चुकी है। बचाव टीम रेस्क्यू में लगी हुई है। वार्ड में करीब 47 नवजात भर्ती थे।

शुक्रवार देर-रात महारानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु गहन चिकित्सा कक्ष एसएनसीयू वार्ड में भीषण आग लगने से 10 नवजात शिशुओं की झुलसने एवं दम घुटने से मौत हो गई। जिस वार्ड में आग लगी थी, वहां 47 नवजात भर्ती थे।

खबर लिखे जाने तक वार्ड से 31 नवजात को बाहर निकाल लिया गया था। हादसे की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। सेना को भी बुला लिया। सेना एवं दमकल की गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हैं। दस नवजात की मौत से अस्पताल परिसर में कोहराम मचा हुआ है। नवजातों के माता-पिता भी अपने नवजातों को बचाने की गुहार लगा रहे हैं।

सीएम योगी ने घटना का संज्ञान लेते हुए उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक को झांसी के लिए रवाना कर दिया है। उनके साछ प्रमुख स्वास्थ्य सचिव भी झांसी आ रहे हैं। सीएम योगी ने घटना की जांच रिपोर्ट 12 घंटे में देने को कहा है। कमिश्नर और डीआईजी हादसे की जांच कर रहे हैं।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रात करीब पौने ग्यारह बजे एसएनसीयू वार्ड से धुआं निकलता दिखा। वहां मौजूद लोगों ने शोर मचाया। जब तक कुछ समझ पाते, आग की लपटें उठने लगीं। कुछ ही देर में आग ने वार्ड को अपनी चपेट में ले लिया। वहां भगदड़ मच गई।

नवजातों को बाहर निकालने की कोशिश हुई लेकिन, धुआं एवं दरवाज पर आग की लपट होने से नवजात समय पर बाहर नहीं निकाले जा सके। कुछ देर बाद दमकल की गाड़ियों के पहुंचने पर नवजातों को बाहर निकाला जा सका। खबर लिखे जाने तक वार्ड से 10 नवजात शिशुओं के शव बाहर निकाले जा चुके। मौके पर रोते-बिलखते परिजनों का जमावड़ा हुआ है। खबर लिखे जाने तक बचाव कार्य चल रहा था।

मौके पर जिलाधिकारी समेत सभी प्रशासनिक अधिकारी पहुंच गए हैं। सेना का दमकल वाहन मौके पर पहुंच चुका है। मेडिकल कॉलेज की बिजली काट दी गई है। अब तक करीब 30 से अधिक बच्चों का रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

ईडी ने विधायक अमानतुल्लाह की जमानत फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली के विधायक अमानतुल्लाह खान की जमानत को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। ईडी ने इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करते हुए कहा कि निचली अदालत ने बिना पूरी जांच के ही अमानतुल्लाह को जमानत दे दी है, जो न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर सकता है।

अमानतुल्लाह पर आरोप है कि उन्होंने अवैध तरीके से संपत्ति अर्जित की है, और यह मामला दिल्ली वक्फ बोर्ड भर्ती घोटाले से जुड़ा हुआ है। ईडी का आरोप है कि खान ने भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के माध्यम से करोड़ों रुपये की संपत्ति जुटाई है। एजेंसी का कहना है कि जमानत मिलने से मामले की निष्पक्ष जांच में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई जल्द ही होगी, जो इस विवादित जमानत पर अंतिम निर्णय देगी।

भारत विज्ञान में पिछड़ा क्योंकि 1000 साल तक हमलावरों का राज रहा - नारायणमूर्ति

नई दिल्ली (ईएमएस)। आईटी कंपनी इन्फोसिस के संस्थापक नारायणमूर्ति का कहना है कि भारत यदि विज्ञान पिछड़ गया तो इसकी वजह यह रही कि 1000 साल तक हमलावरों का राज रहा। उन्होंने कहा कि 1000 साल की अवधि में भारत में माहौल ऐसा रहा कि युवाओं की उस दिशा में सोच ही विकसित नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि 1000 ईसवी से 1947 तक का काल ऐसा था, जिसमें साइंस को लेकर सोच विकसित नहीं हो सकी। इस दौरान साइंस को लेकर विचार नहीं पनपा और विश्लेषणात्मक सोच का अभाव रहा। यही कारण रहा कि इस अवधि में भारत में नवाचार, आविष्कार या शोध नहीं दिखते।

नारायणमूर्ति ने 2024 इन्फोसिस साइंस प्राइजेज सेरेमनी के दौरान दिए वर्चुअल भाषण में ये बातें कहीं। इजरायल के पूर्व नेता शिमोन पेरेज के भाषण का भी उन्होंने जिक्र किया। पेरेज ने कहा था, इज़राइल में हमने अपनी सबसे बड़ी धरोहर को पहचाना है और वह हमारा दिमाग। हमने रचनात्मकता, नवाचार और नए आविष्कारों के माध्यम से बंजर रेगिस्तानों को फलते-फूलते खेतों में बदल दिया और विज्ञान और प्रौद्योगिकी को नई ऊंचाइयां दीं और दुनिया का नेतृत्व किया। मूर्ति ने कहा किसी भी देश के विकास के लिए ऐसे विचार क्रांतिकारी हैं।

इसके आगे वह कहते हैं कि इतिहास बताता है कि एक दौर में भारत गणित, विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान, इंजीनियरिंग, मेडिसिन और सर्जरी में अग्रणी था। वैदिक काल से तब तक ऐसी स्थिति थी, जब तक हमलावरों ने भारत पर आकर कब्जा नहीं किया। 700 से 1520 ई. तक उज्बेकिस्तान से अफगानिस्तान तक के हमलवारों ने अटैक किए और यहां सत्ता भी कायम की। इसके बाद अंग्रेज आ गए, जिन्होंने भारत को अपना उपनिवेश ही बना लिया था। उन्होंने कहा कि जो हमलावर आए थे, उनका साइंस, मैथ से कोई लेना-देना नहीं था। हालांकि उनकी तुलना में अंग्रेजों ने भारतीयों को महत्वाकांक्षी कामों के लिए कुछ हद तक प्रोत्साहित भी किया।

वह कहते हैं कि हमारी प्रोग्रेस धीमी रही है। इसका कारण था कि हमारी युवा पीढ़ी पर बीते दौर की छाप थी। जिज्ञासु दिमागों की कमी हो गई। विश्लेषणात्मक सोच एवं नवाचार का विचार पहले जैसा नहीं रहा। समस्या को समझना और उसका हल निकालना, यह विचार कम दिखा। वह कहते हैं कि स्वतंत्रता के बाद भारत में विज्ञान की दोबारा शुरुआत हुई और इतने कम अरसे में ही हमने दिखाया है कि साइंस के माध्यम से क्या-क्या बदला जा सकता है। इसे अभी और विस्तार देने की जरूरत है।

डिजिटल डेटा सुरक्षा कानून को दिया अंतिम रुप

-विधानसभा चुनावों के परिणाम के बाद नियमों को मिल सकती है मंजूरी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। डिजिटल पर्सनल डेटा सुरक्षा (डीपीडीपी) कानून के नियमों को अंतिम रूप दे दिया गया है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचनाके अंत तक प्रकाशित किया जा सकता है, हालांकि उन्हें औपचारिक रूप से 2025 में अधिसूचित किया जा सकता है, क्योंकि इसके बाद परामर्श प्रक्रिया शुरू होगी। इस कानून का प्रौद्योगिकी मंत्रालय लंबे समय से तैयारी कर रहे डिजिटल पर्सनल डेटा सुरक्षा (डीपीडीपी) कानून के नियमों को अब अंतिम रूप दे दिया है।

सूत्रों के मुताबिक इन नियमों का मुख्य उद्देश्य डिजिटल पर्सनल डेटा के प्रसंस्करण को विनियमित करना है और यह संसद द्वारा अगस्त 2023 में पारित किया गया था, लेकिन इसके नियमों के तैयार होने में देरी होने से अभी तक लागू नहीं हो पाया है।

अधिकारियों का कहना है कि डीपीडीपी नियमों के मसौदे में 6 महीने से ज्यादा समय तक फेरबदल किया गया और अब ये पूरी तरह से तैयार हैं।

सूत्रों के मुताबिक विधान सभा चुनावों के परिणाम आने के बाद इन नियमों को मंजूरी मिलने की संभावना है। हालांकि अधिकारी ने साफ कर दिया कि इन नियमों में कोई बदलाव नहीं होंगे और यह पूरी तरह स्पष्ट होंगे। डीपीडीपी कानून का मुख्य उद्देश्य पर्सनल डेटा के बेजा उपयोग और उल्लंघन को रोकने के लिए एक प्रभावी और मजबूत डेटा सुरक्षा तंत्र तैयार करना है। इस कानून के तहत, पर्सनल डेटा केवल वैध उद्देश्यों के लिए ही संसाधित किया जा सकता है और इसके लिए संबंधित व्यक्ति से उसकी सहमति प्राप्त करना जरुरी होगा। इसके साथ ही डेटा संग्रह की सीमा भी तय की जाएगी, यानी केवल डेटा ही एकत्रित किया जाएगा।

गलतबयानी या झूठे दावों की हेट स्पीच से तुलना नहीं की जा सकती

-सुप्रीम कोर्ट ने नेताओं द्वारा भड़काऊ बयान देने पर रोक लगाने की याचिका खारिज की

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने नेताओं द्वारा भड़काऊ भाषण देने पर रोकने लगाने के लिए गाइडलाइंस जारी करने की गुहार वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि गलतबयानी या झूठे दावों को हेट स्पीच से तुलना नहीं की जा सकती, क्योंकि दोनों में फर्क है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह यह समझें कि हेट स्पीच क्या होती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिका में हेट स्पीच को गलत तरीके से पेश किया गया है। अगर किसी को कोई शिकायत है तो वह इसे कानून के मुताबिक उठाए।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि भड़काऊ भाषण और गलतबयानी के बीच अंतर है। पीठ ने याचिकाकर्ता हिंदू सेना समिति के वकील से यह भी कहा कि शीर्ष अदालत इस मामले में कोई नोटिस जारी करने को इच्छुक नहीं है। पीठ ने कहा कि वह इस याचिका पर विचार नहीं करना चाहती, जो कथित बयानों से संबंधित है। कोर्ट ने आगे कहा कि अगर याचिकाकर्ता को कोई शिकायत है, तो वह इसे संबंधित कानूनी प्रक्रिया के तहत उठाकर समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

फर्जी इनवॉइस से कर चोरी का बड़ा खुलासा, महाराष्ट्र-गुजरात में छापे

नई दिल्ली,(ईएमएस)। महाराष्ट्र और गुजरात में हाल ही में इनकम टैक्स की छापामार कार्रवाई की गई, जिसमें फर्जी बिलों के जरिए कर चोरी के बड़े मामले सामने आऐ हैं। इनकम टैक्स विभाग ने मुंबई, अहमदाबाद और अन्य जगहों पर करीब 23 ठिकानों पर छापेमारी की है। इस कार्रवाई से 14 नकली कंपनियों का पर्दाफाश हुआ है। ये कंपनियां बिना असल कारोबार के केवल कागजों पर लेन-देन कर रहीं थीं। रिपोर्ट के अनुसार, इन कंपनियों ने 100 करोड़ रुपये से अधिक का फर्जी लेन-देन किया, जिससे सरकार को कर की भारी हानि हुई है।

भाजपा सांसद की दावत में बकरे की बोटी को लेकर हंगामा

-व्यवस्था थी 200 की और पहुंच गए हजार

मिर्जापुर,(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में भारतीय जनता पार्टी के सांसद विनोद बिंद के कार्यालय पर आयोजित मीट पार्टी में बकरे की बोटी की कमी को लेकर जमकर हंगामा हुआ। मारपीट भी हुई और लोग घायल भी हुए, जिसे लेकर अब राजनीतिक हल्कों में इसकी चर्चा आम हो गई है।

जानकारी अनुसार मझवां के पूर्व विधायक और भदोही के मौजूदा सांसद विनोद बिंद ने अपने कार्यालय पर एक पार्टी का आयोजन किया था। इस पार्टी में महज 200 लोगों के भोजन का इंतजाम किया गया था, लेकिन करीब एक हजार लोग वहां पहुंच गए। इसके चलते बकरे की बोटी की कमी हो गई। इस पर आयोजकों ने ग्रेवी (मीट रस) परोसनी शुरू कर दी, जो कुछ लोगों को पसंद नहीं आई और इस पर हंगामा मच गया।

बताया जाता है कि हंगामे की शुरुआत एक युवक ने की, जिसे बोटी की जगह ग्रेवी दी गई थी। इस पर जब उसने आपत्ति जताई, तो भोजन परोस रहे युवक ने उसे तमीज से बात करने को कहा। गुस्साए युवक ने उसे थप्पड़ मार दिया, जिसके बाद दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए। मारपीट के दौरान मौके पर रखे बर्तन और बाल्टियों का भी इस्तेमाल किया गया, जिससे कई लोग घायल हो गए। कुछ लोगों के सिर फटने और हाथ पर गहरी चोट लगने की खबर है। इस दौरान, भोजन कर रहे लोगों में भगदड़ मच गई।

घटना को लेकर सांसद विनोद बिंद के प्रतिनिधि उमा बिंद ने कहा कि यह सब विपक्ष की साजिश का हिस्सा था। उन्होंने आरोप लगाया कि कई ऐसे लोग, जिन्हें न्यौता नहीं दिया गया था, शराब पीकर कार्यक्रम में पहुंचे और मारपीट शुरू कर दी। बहरहाल पार्टी में बोटी प्रकरण की चर्चा अब राजनीतिक गलियारे से सोशल मीडिया पर जमकर हो रही है।

एचएनएलसी संगठन गैरकानूनी घोषित, केंद्र सरकार ने लगाया पांच साल का बैन

-संगठन अलगाव फैलाने व लोगों से जबरन करता है वसूली

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मेघालय में सक्रिय हाइनीवट्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल (एचएनएलसी) संगठन को गैरकानूनी घोषित किया है। इस संगठन पर पांच सालों तक प्रतिबंध लगा दिया गया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक एचएनएलसी को देश के खिलाफ गतिविधियों में संलिप्त होने के चलते बैन किया है। यह कार्रवाई विधि विरूद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत की है।

गृह मंत्रालय के मुताबिक एचएनएलसी संगठन मेघालय राज्य के उन इलाकों में सक्रिय रहा है, जहां खासी और जयंतिया जनजाति के लोग रहते हैं। इस संगठन ने भारत से अलगाव की कोशिश की और अपनी गतिविधियों को फैलाने के लिए स्थानीय लोगों से जबरन वसूली की। इसके साथ ही यह संगठन पूर्वोत्तर के अन्य विद्रोही समूहों के साथ संबंध था।

मंत्रालय ने बताया कि 16 नवंबर 2019 से 30 जून 2024 के बीच, एचएनएलसी संगठन मेघालय में विस्फोटक सामग्री रखने, विस्फोटक घटनाओं और हिंसा में शामिल रहा है। संगठन के 73 सदस्य गिरफ्तार हुए और तीन ने आत्मसमर्पण किया था।

केंद्र सरकार का मानना है कि इस संगठन की गतिविधियों को रोकना जरूरी है, क्योंकि यह भारतीय एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए गंभीर खतरा बन गया है। अगर इस पर नियंत्रण नहीं रखा गया, तो यह संगठन फिर से संगठित होकर हथियारबंद होकर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को तेज कर सकता है, जिससे नागरिकों और सुरक्षाबलों की जान और संपत्ति का खतरा पैदा हो जाएगा। इसलिए, केंद्र सरकार ने इसे गैरकानूनी घोषित करते हुए इस पर प्रतिबंधित लगाने का फैसला लिया है।

बिहार के बक्सर से धर्म परिवर्तन कराने का मामला, हिन्दू संगठन भड़के

बक्सर (ईएमएस)। बिहार के बक्सर में ईसाई समुदाय के लोग ग्रामीण इलाकों में धर्म प्रचार के लिए अभियान चला रहे हैं। इस सिलसिले में गंगा नदी में लोगों को नहलाकर धर्म परिवर्तन कराने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है। हिंदू संगठनों ने इस वीडियो पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और हंगामा किया है। हालांकि, इस वीडियो की पुष्टि नहीं हुई है।

हिंदू धर्म के लोगों से धर्म परिवर्तन कराने की खबर से हड़कंप मच गया है। यह मामला बक्सर जिले के सिमरी प्रखंड के एक दूरदराज के ग्रामीण इलाके का है, जहां मेथोडिस्ट चर्च ऑफ इंडिया के लोग बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन करा रहे हैं। आरोप है कि ये लोग ग्रामीणों को गंगा नदी में नहलाकर महिलाओं के सिंदूर धो रहे हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि लोग गंगा में डुबकी लगा रहे हैं और एक व्यक्ति उन्हें प्रभु यीशु का माला पहना रहा है। हिंदू संगठनों ने मौके पर पहुंचकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

वीडियो में साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि लोगों को गंगा नदी में नहलाकर उनका धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। इस घटना की जानकारी मिलते ही हिन्दू संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया और पुलिस को सूचित किया। साथ ही, इस मामले में थाने में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई गई है। हिन्दू संगठनों के अनुसार, सिमरी प्रखंड के नागपुर गंगा घाट पर 60-70 लोगों को एक साथ नहलाया गया और महिलाओं के सिंदूर को उनके माथे से धोकर उन्हें प्रभु यीशु का लॉकेट पहनाया गया। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और देखते ही देखते वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। मामला प्रशासन तक पहुंचने के बाद जांच शुरू कर दी गई है।

...भले ही शारीरिक संबंध नाबालिग पत्नी की सहमति से बनाया, वह बलात्कार है, सजा बरकरार

बॉम्बे हाई कोर्ट का बड़ा फैसला,

मुंबई, (ईएमएस)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने माना है कि नाबालिग पत्नी के साथ सहमति से बनाया गया यौन संबंध बलात्कार है और इस तरह के कृत्य को कानूनी संरक्षण अधिनियम के तहत स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने पति को सुनाई गई 10 साल की सजा को बरकरार रखा है। दरअसल पत्नी द्वारा अपने पति के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज कराने के बाद उसे 10 साल जेल की सजा सुनाई गई। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि यौन संबंध के लिए सहमति की उम्र 18 वर्ष से अधिक है, न्यायमूर्ति जी.ए.सानप की बेंच ने कहा, 18 साल से कम उम्र की लड़की के साथ सेक्स करना रेप है। फिर यह महत्वपूर्ण नहीं है कि वह शादीशुदा है या नहीं। हाई कोर्ट ने कहा, जब पत्नी या बेटी की उम्र 18 साल से कम हो तो सहमति से बनाए गए संबंध का बचाव नहीं किया जा सकता। निचली अदालत ने आरोपी को 10 साल सश्रम कारावास की सजा सुनाई थी, जिसे नागपुर पीठ ने बरकरार रखा था। जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने शिकायतकर्ता के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए, जिससे वह गर्भवती हो गई। बाद में उसने उससे शादी कर ली। हालांकि, उनके वैवाहिक रिश्ते में खटास आ गई और महिला ने उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उच्च न्यायालय ने कहा, तर्क के तौर पर अगर मान भी लिया जाए कि उन्होंने तथाकथित विवाह किया था, तो पीड़िता के आरोप के अनुसार, यौन संबंध उसकी सहमति के खिलाफ था और इसलिए इसे बलात्कार माना जाएगा। जब पीड़िता महाराष्ट्र के वर्धा में रह रही थी तो आरोपी उसका पड़ोसी था। युवती वहां अपने पिता, बहन और दादी के साथ रहती थी। आरोपी और पीड़िता 3 से 4 साल से रिलेशनशिप में थे। लेकिन युवती इस दौरान शारीरिक संबंध बनाने की मांग को ठुकरा रही थी। इस बीच परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण पीड़िता पड़ोस के शहर में काम करने चली गई। आरोपी ने वहां भी उसका पीछा किया। इस दरम्यान वह उसे काम पर छोड़ने की पेशकश करता था। इस दौरान उसने उस पर शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव डाला, जिससे वह गर्भवती हो गई। शुरुआत में आरोपी ने पीड़िता से शादी करने का वादा किया। आरोपों के मुताबिक, शादी समारोह कुछ पड़ोसियों की मौजूदगी में किराए के कमरे में आयोजित किया गया था। लेकिन बाद में उसका व्यवहार बदल गया और प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। इनमें शारीरिक हमले और गर्भपात कराने का दबाव शामिल था। बाद में उन्होंने पितृत्व से इनकार कर दिया और पीड़िता पर किसी अन्य पुरुष के साथ बच्चा पैदा करने का आरोप लगाया। प्रताड़ना असहनीय होने पर पीड़िता ने मई 2019 में पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अपने बचाव में, आरोपी ने दावा किया कि सेक्स सहमति से हुआ था और वह उसकी पत्नी थी। हालांकि, न्यायमूर्ति सानप ने कहा, मेरे विचार में, दोषसिद्धि के लिए डीएनए रिपोर्ट निर्णायक सबूत है। अभियोजन पक्ष ने साबित किया है कि जब अपराध किया गया था तब पीड़िता की उम्र 18 वर्ष से कम थी। पीठ ने कहा कि डीएनए रिपोर्ट से साबित हुआ कि आरोपी और पीड़िता ही बच्चे के माता-पिता हैं।

बाबा ने बताया पतंजलि आयुर्वेद का असली मालिक कौन..............ना मैं ना ही आचार्य बालकृष्ण

देहरादून (ईएमएस)। योग गुरु बाबा रामदेव ने पतंजलि आयुर्वेद के स्वामित्व को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ किया कि पतंजलि के स्वामित्व का कोई निजी मालिक नहीं है, न ही वह स्वयं, न ही आचार्य बालकृष्ण, बल्कि यह पूरा साम्राज्य देश की जनता का है और इसका वास्तविक लाभार्थी भी इस देश की जनता हैं।

रामदेव ने कहा कि पतंजलि का जो साम्राज्य अब लाखों करोड़ रुपए का हो चुका है, उसके स्वामित्व को लेकर कुछ लोगों की गिददी की नजरें हैं। उन्होंने बताया कि पतंजलि के विभिन्न संस्थानों जैसे निरामयम, योग ग्राम, पतंजलि योगपीठ, पतंजलि गुरुकुल, पतंजलि वेलनेस, और विश्वविद्यालय सहित सैकड़ों सेवा संस्थान बनाए हैं। इन संस्थानों और अभियानों के माध्यम से उन्होंने योग को ऊंचाई पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि पतंजलि की संपत्ति का मूल्यांकन अब एक लाख करोड़ रुपए से भी अधिक है।

बाबा ने बताया कि देशभर में पतंजलि के एक लाख से अधिक योग शिक्षक भाई-बहन योग का प्रचार कर रहे हैं। इसके अलावा, 25 लाख से ज्यादा वरिष्ठ योग शिक्षक सेवा दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पतंजलि की यह सफलता और इसके साम्राज्य का विस्तार कोई आसान काम नहीं था, बल्कि इसमें बहुत मेहनत और पुरुषार्थ लगा है।

पतंजलि का असली मालिक देश की जनता

रामदेव ने कहा कि पतंजलि के साम्राज्य का वास्तविक मालिक कोई व्यक्ति नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह से देश की जनता का है। उन्होंने कहा, स्वामी रामदेव इसका मालिक नहीं है, आचार्य बालकृष्ण इसका मालिक नहीं है, इसका मालिक है पूरा देश और देश के लोग। बाबा रामदेव ने यह स्पष्ट किया कि पतंजलि की स्थापना का मुख्य उद्देश्य समाज की सेवा और भलाई है, और इस यात्रा को भविष्य में भी इसी दिशा में बढ़ते रहना चाहिए।

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले इंडिया ब्लॉक के पार्टनर्स के बीच गजब खेल

आप और कांग्रेस में नेता-छीनो होड़!

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली विधानसभा चुनाव महज दो महीने बाद हैं, लेकिन इससे पहले दो सहयोगियों के बीच एक अनूठी लड़ाई चल रही है। इंडिया ब्लॉक के दो घटक दलों- आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच एक दूसरे के नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल करवाने की अनूठी प्रतियोगिता चल रही है। दोनों पार्टियां यूं तो बीजेपी के खिलाफ लडऩे का दम भर रही हैं, लेकिन इस बीच कोशिश भरसक यही चल रही है कि कैसे एक दूसरे को कमज़ोर किया जाए। मजबूत नेताओं को पार्टी में शामिल करवाना यूं तो राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जाता है, लेकिन जो कुछ दिल्ली में चल रहा है उससे सवाल ये पैदा हो गया है कि क्या ये पार्टियां वाकई एक-दूसरे को कमज़ोर कर बीजेपी से लड़ाई की तैयारी कर रही हैं?

शुक्रवार को आम आदमी पार्टी दफ्तर में अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस के पूर्व विधायक वीर सिंह धींगान को अपनी पार्टी में शामिल करवाया। दरअसल, वीर सिंह धींगान सीमापुरी से विधायक रह चुके हैं। सीमापुरी सुरक्षित सीट है और इसलिए आप ने दावा किया कि एक बड़े दलित नेता के कांग्रेस से आम आदमी पार्टी में आने पर पार्टी को फायदा होगा। गौरतलब है कि ये वही सीमापुरी है, जहां से अरविंद केजरीवाल ने झुग्गी बस्तियों में अपने एनजीओ के दिनों में संघर्ष की शुरुआत की। तब के समय शीला दीक्षित मुख्यमंत्री हुआ करती थीं और केजरीवाल ने राशन में करप्शन की बात वहीं से उठाई। लेकिन इधर आम आदमी पार्टी कांग्रेस के नेता को तोड़ रही थी तो वहीं कुछ घंटों बाद कांग्रेस ने भी आम आदमी पार्टी के एक पूर्व विधायक को अपने पाले में लाकर हिसाब बराबर कर लिया। हाजी इशराक आम आदमी पार्टी के टिकट पर 2015 में उत्तर पूर्वी दिल्ली के ही सीलमपुर से चुनाव जीते थे। ऐसे में दलित नेता का हिसाब एक अल्पसंख्यक नेता को अपने पाले में लाकर कांग्रेस ने उसी दिन पूरा किया।

खेल की पृष्ठभूमि पहले ही लिखी जा चुकी थी

सीमापुरी और सीलमपुर का खेल पहले ही दोनों पार्टियों की तरफ से शुरू हो चुका था। आम आदमी पार्टी के पूर्व मंत्री और सीमापुरी से मौजूदा विधायक राजेंद्रपाल गौतम ने पिछले दिनों केजरीवाल का साथ छोड़ कांग्रेस का दामन थामा था। अब ये तो तय था कि सीमापुरी से चुनाव में कांग्रेस गौतम पर ही दांव खेलती तो वीर सिंह धींगान के पास बहुत ऑप्शन बचे ही नहीं थे। कुछ यही हाल हाजी इशराक का भी था। सीलमपुर से कांग्रेस के पांच बार के विधायक मतीन अहमद जो पिछली दो बार से चुनाव हार रहे हैं ने झाड़ू थाम ली। उनके साथ उनकी पार्षद बहू और बेटे ने भी कांग्रेस को अलविदा कह दिया। हाजी इशराक जिन्होंने 2015 में मतीन अहमद को हराया था को लगा कि यही मौका है कि वो कांग्रेस के पाले में चले जाएं और अपनी टिकट पक्की कर लें।

जन हितैषी

गांव-गांव की नल-जल योजना ठेके पर देने की तैयारी

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना, जल जीवन मिशन के तहत गांव-गांव के लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो। इसके लिए नल-जल योजना शुरू की गईं थी। यह योजना शुरू हो पाती, इससे पहले ही इस योजना ने दम तोड़ दिया है। दरअसल नल-जल योजना को ठेके पर चलाने की बात सामने आने लगी है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने नल-जल योजना का काम ग्रामीण क्षेत्रों में, ग्राम पंचायत को तथा नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका और नगर निगम को सौंप रखा है। नगरीय क्षेत्र में पहले भी नगरीय संस्थाओं द्वारा पेयजल की सप्लाई की जा रही थी। इस योजना को बढ़ाकर गांव-गांव तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत, प्रत्येक गांव को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की योजना बनाई थी। इस योजना के लिए विश्व बैंक से अरबों रुपए का कर्ज लिया गया। वैश्विक सहायता भी मिल रही है। जिस तरह का दावा किया गया था। उसका 50 फ़ीसदी भी काम पूरा नहीं हो पाया। हाल ही में मध्य प्रदेश में जल जीवन योजना के तहत ग्राम पंचायत, नल-जल योजना की समीक्षा की गई। पंचायतों को संचालन और मेंटेनेंस करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। योजना का जो उद्देश्य था, वह पूरा नहीं हो पा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना को पूरा करने के लिए पंचायत को निरंतर आर्थिक सहायता देने की जरूरत है। आर्थिक सहायता देने के नाम पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया है। ग्राम पंचायत अपने सीमित आर्थिक संसाधन में इतनी महंगी योजना का संचालन करने में असमर्थ है। 4 साल के अंदर ही मध्य प्रदेश के गांवों में नल-जल योजना के तहत पेयजल उपलब्ध कराने में तरह-तरह की कठिनाइयां देखने को मिल रही हैं। प्रमुख रूप से आर्थिक कठिनाई के साथ-साथ मेंटेनेंस को लेकर कई समस्याओं का सामना ग्राम पंचायतों को करना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश के पीएचई विभाग द्वारा अब नल-जल योजना को निजी ऑपरेटर के द्वारा संचालित करने के लिए एक योजना तैयार की जा रही है। मध्य प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव ने पीएचई विभाग से ठोस प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है। मध्य प्रदेश के 27150 ग्राम नल-जल योजना से जोड़े गए हैं। पिछले 4 वर्षों में इसमें से केवल 12500 गांव तक ही यह योजना पहुंच सकी है। केंद्र एवं राज्य सरकारें यह दावा करती हैं, कि यह योजना हर घर तक पहुंच गई है। लेकिन अभी भी मध्य प्रदेश के ही 15000 से ज्यादा गांव के लोगों के घरों में पेयजल कनेक्शन नहीं हो पाए हैं। जिन 12500 गांव में योजना शुरू हो गई है, उनमें भी नियमित रूप से पेयजल की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। बिजली, प्रशिक्षित कर्मचारी और अन्य कारणों से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना अभी भी दूर की कौड़ी है। यह सपना केवल कागजों पर ही संभव हो पा रहा है। मध्य प्रदेश में पंचायत ने जल कर के रूप में मात्र 4.68 करोड रुपए जनता से वसूल किये हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने अभी तक 52.50 लाख परिवारों को नल कनेक्शन देने का दावा किया है। 60 रुपये प्रतिमाह की दर से 378 करोड रुपए प्रतिवर्ष पंचायतों को जलकर के रूप में वसूल करना थे। उसकी दो फ़ीसदी राशि भी पंचायत वसूल नहीं कर पा रहीं हैं। इस कारण आर्थिक कारणों से, अब नल-जल योजना को निजी क्षेत्र को देने की तैयारी शुरू हो गई है। केंद्र सरकार के जो प्रोजेक्ट बड़े ताम-झाम से शुरू किए जाते हैं, बहुत प्रचार-प्रसार किया जाता है। ऐसे सुंदर सपने दिखा दिए जाते हैं कि लोगों को लगता है उनके अच्छे दिन आ गए हैं। इस तरह की योजनाएं अपना स्वरूप ले पायें, उसके पहले ही उनका अस्तित्व दांव पर लग जाता है। केंद्र सरकार ने स्मार्ट सिटी को लेकर भी कुछ इसी तरह के दावे किए थे। देशभर की सभी स्मार्ट सिटी के लिए जो योजना बनाई गई थी, वह सपना भी सरकार से पूरा नहीं हुआ। हजारों करोड़ रुपये भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए। सरकारी जमीनों की स्मार्ट सिटी के नाम पर खरीद बिक्री हो गई। वह नहीं हुआ, जो स्मार्ट सिटी को लेकर दावे किए गए थे। आज देश की लगभग सभी स्मार्ट सिटी बंद होने की कगार पर हैं। इन्हें कहीं से भी वित्त उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार ने अपने हाथ खड़े कर दिए हैं। कुछ इसी तरह की स्थिति गांव-गांव में नल-जल योजना में देखने को मिल रही है। हजारों करोड़ों रुपए खर्च कर दिए गए। भारी भ्रष्टाचार हुआ। योजना का जो हश्र होना था, वह सबके सामने है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें नगरीय निकायों की तरह पंचायत को भी आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाए बिना, जब इस तरह की योजनाओं को संचालित करती हैं, तो उसके परिणाम इसी तरह से सामने आते हैं। नगरीय संस्थाएं और ग्राम पंचायतें बिजली का बिल भी नहीं भर पाते हैं। कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दे पाती हैं। उनके ऊपर इस तरह से अतिरिक्त भार डालकर जो सुविधाएं मिल रही होती हैं वह भी खत्म हो जाती हैं। गांव के विकास को लेकर अब केंद्र सरकार और राज्य सरकार निर्णय लेती हैं। केंद्र और राज्य स्तर के ठेकेदार योजनाओं के पैसे से योजना की शुरुआत करते हैं। पैसा खत्म और योजना हजम जैसी स्थिति पिछले 10 सालों से देखने को मिल रही है। यही हाल केवल मध्य प्रदेश की नहीं हो रही है। देश के सभी राज्यों में जल जीवन मिशन की यही हालत है। सरकार में बैठे मंत्रियों, अधिकारियों और ठेकेदारों ने पिछले वर्षों में जमकर जल जीवन मिशन में कमाई की है। अब ग्राम पंचायतों के ऊपर योजना के संचालन की जिम्मेदारी डाल दी गई है। अब नगरीय संस्थाओं की तरह ग्राम पंचायतों के पास आर्थिक दांत नहीं हैं, तब उन्हें चने चबवाने के लिए कहा जा रहा है। ग्राम पंचायत जिनकी आर्थिक स्थिति ठीक-ठाक होगी, वही नल-जल योजना को संचालित कर पाएगी। जो ग्राम पंचायत आर्थिक रूप से सक्षम होंगी। उन्हीं को शुद्ध पेयजल मिल पाएगा। अभी तो हालात यह हो गए हैं। जल जीवन मिशन की योजना को संचालित करने के लिए पंचायत में जो साफ सफाई हो रही थी वो थोड़े-मोड़े गांव में विकास के काम हो पा रहे थे, वह भी बंद हो गए हैं। अब जल जीवन मिशन का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। सरकारी योजनाओं का यही हश्र और नागरिकों का यही भाग्य है। यही कहकर संतोष किया जा सकता है। इसके अलावा अन्य कोई विकल्प भी नहीं है।

एक बार फिर प्रमाणित- न्यायपालिका ही प्रजातंत्र की सही संरक्षक....!

सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले ने आज पुन: यह सिद्ध कर दिया है कि प्रजातंत्र के चार अंगों- विधायिका, कार्यपालिका, न्याय पालिका और खबर पालिका में न्याय पालिका ही प्रजातंत्र की सही संरक्षक है, कथित अवैध निर्माणों के नाम पर लोगों के घरों को 'जमींदोज' कर देने की शासकीय मनमानी पूर्ण प्रक्रिया को सर्वोच्च न्यायालय ने एकदम गैर कानूनी व गलत माना है तथा शासन-प्रशासन को सख्त निर्देश दिए है कि बिना ठोस गैरकानूनी सबूतों के ऐसी कार्यवाही कतई नहीं की जानी चाहिए। इस तरह आज फिर एक बार यह स्पष्ट हो गया है कि प्रजातंत्र की सही संरक्षक न्यायपालिका ही शेष बची है, प्रजातंत्र के शेष अंग विधायिका, कार्यपालिका और खबर पालिका अब अपने कर्तव्यों, मंसूबों, अधिकारों व कार्यों के प्रति ईमानदार कतई नहीं रहे है, इसीलिए आज आम भारतीय का विश्वास सिर्फ और सिर्फ न्यायपालिका पर ही केन्द्रित हो गया है।

प्रजातंत्र के अंगों में प्रमुख तौर पर विधायिका की भूमिका अहम् मानी जाती रही है, किंतु अब इस अंग में स्वार्थ की राजनीति इतनी अधिक हावी हो गई है कि इसने आम जनप्रतिनिधि को जनसेवा के मार्ग से बिल्कुल अलग कर दिया है, आज तो इस अंग में यह धारणा समाहित हो गई है कि किसी भी तरह के कानूनी या गैर कानूनी हथकण्डों का सहारा लेकर एक बार सांसद या विधायक बन जाओं और फिर अपने आपको अगली सात पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रखने की क्षमता हासिल कर लो, और अब यही हो रहा है, एक बार येन-केन- प्रकारेण सांसद, विधायक चूने जाने के बाद फिर राजनेता 'जनसेवा' भूलकर 'स्वयंसेवा' में संलग्न हो जाते है और पांच साल में सत्ता की लूट के सहारे अपने भविष्य को सपरिवार 'स्वर्णिम' बना लेते है और उन्हें इस स्थान तक पहुंचाने वालों को पूरी तरह बिसरा देते है, फिर उनकी याद अगले चुनाव अर्थात् पांच साल बाद ही आती है।

यह तो हुआ प्रजातंत्र के सबसे अहम् अंग विधायिका का हाल, अब यदि दूसरे अंग कार्यपालिका की बात करें तो मेरी दृष्टि में उसका नाम कार्यपालिका से बदलकर 'जी-हुजूरी पालिका' रख देना चाहिए, क्योंकि इस अंग से जुड़ सरकारी अमला अपने जनसेवा के मूल दायित्वों को त्याग कर सिर्फ और सिर्फ विधायिका के सदस्यों (राजनेताओं) व उच्च अधिकारियों की जी-हुजूरी में ही लगा रहता है, उसे न अपने मूल कर्तव्यों या दायित्वों की परवाह है न स्वयं की प्रतिष्ठा या इज्जत की। उसे सिर्फ अपने आकाओं को पटाकर रखकर अपने स्वार्थ सिद्ध करना है, इन दो अंगों के बाद तीसरा अंग न्यायपालिका है, जो सही अर्थों में अपने कर्तव्यों, दायित्वों व कानूनों का पालन कर रही है, इसीलिए अब यही अंग भरोसे के काबिल रह गया है और अब यह अंग अभी तक कई बार यह सिद्ध भी कर चुका है कि वह अपने दायित्वों व कर्तव्यों की पूर्ति पूरी निष्ठा व ईमानदारी से कर रहा है।

जहां तक प्रजातंत्र के चौथे अघोषित अंग खबर पालिका की बात करें तो वह जमाना कभी का गुजर गया, जब अधिकारपूर्ण लिखे गए शब्दों का कोई वजन होता था और लिखे हुए शब्द पूरी कायनात को बदलकर रख देने का माद्दा रखते थे, अब तो प्रजातंत्र का यह अघोषित अंग भी सिर्फ और सिर्फ स्वार्थ सिद्धी और 'ब्लेकमेल' का माध्यम बनकर रह गया है, अब लोक सिर्फ अपना रसूख और आय का माध्यम बनाए रखने के लिए अपना अखबार निकालते है, इसलिए इस अंग पर से जनविश्वास पूरी तरह खत्म हो चुका है और यह अंग जन नेताओं की 'कुठपुतली' बनकर रह गया है।

इस प्रकार कुल मिलाकर अब भारत में प्रजातंत्र का एकमात्र आधार स्तंभ न्यायपालिका ही रह गया है और इसकी न्यायिक व्यवस्था ने भारतीय प्रजातंत्र पर अपनी छाप छोड़ी है और आज सर्वोच्च न्यायालय ने फिर एक बार सिद्ध करके भी दिखा दिया है। (लेखक- ओमप्रकाश मेहता/ ईएमएस)

गंगा का मैल सख्ती व जवाबदेही से ही दूर होगा

गंगा की सफाई, उसे प्रदूषण मुक्त करने एवं नदियों के माध्यम से आर्थिक विकास, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। यह गौर करना राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी के कारण भी जरूरी हो गया है, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है।

कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा को प्रदूषित करने के गुनहगार? सरकारों को यह समझना होगा कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी निर्मलता एवं अविरलता के लिये एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा। यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण ढेर बने मलबे एवं कचरे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। औद्योगिक कारखानों का जहरीला कचरा ही नहीं बल्कि सरकार की अन्य विकास योजनाएं ही गंगा को प्रदूषित करने का जरिया बन रही है, जो अधिक शर्मनाक एवं चिन्ताजनक है। गंगा नदी एवं अन्य नदियों में उद्योगों से विभिन्न रसायन, चीनी मिल, भट्टी, ग्लिस्त्रिन, टिन, पेंट, साबुन, कताई, रेयान, सिल्क, सूत, प्लास्टिक थेलियां-बोतले आदि जहरीला कचरा बड़ी मात्रा में सरकार की चेतावनियों के बावजूद मिल रहा है।

गंगा कायाकल्प का दृष्टिकोण 'अविरल धारा' (सतत प्रवाह), 'निर्मल धारा' (प्रदूषणरहित प्रवाह) को प्राप्त करके और भूगर्भीय और पारिस्थितिक अखंडता को सुनिश्चित करके नदी की अखंडता को बहाल करने की समग्र योजना और रखरखाव के बावजूद गंगा लगातार प्रदूषित हो रही है। जबकि सरकार क्रॉस-सेक्टोरल सहयोग को प्रोत्साहित करने वाली नदी बेसिन रणनीति को लागू करके गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और पुनरोद्धार को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। यह पानी की गुणवत्ता और पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार विकास को बनाए रखने की दृष्टि से गंगा नदी में न्यूनतम जैविक प्रवाह भी सुनिश्चित करता है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' में अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। अधिकारियों की लापरवाही या फिर गड़बड़ियों की वजह से किसी बड़ी और बेहद महत्वपूर्ण पहलकदमी का भी हासिल शून्य कैसे हो सकता है, इसका उदाहरण गंगा का प्रदूषण है।

दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य शृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। इसी से यह उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिए मानव सभ्यता के लिए एक बेहद जरूरी नदी में फिर से जीवन भर सकेगा। वास्तव में गंगा एक संपूर्ण संस्कृति की वाहक रही है, जिसने विभिन्न साम्राज्यों का उत्थान-पतन देखा, किंतु गंगा का महत्व कम न हुआ। आधुनिक शोधों से यह भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को दूषित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, उन्नत एवं समृद्ध जीवन का आधार है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है।

'नमामि गंगे' परियोजना व स्वच्छ गंगा हेतु राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत प्रदेश में गंगा किनारे के 1,604 गांवों में 3,88,340 शौचालयों का निर्माण करवाकर उन्हें खुले में शौच से मुक्त गांव घोषित किया गया और नदी किनारे एक करोड़ 30 लाख पौधों का रोपण किया गया। गंगा को निर्मल बनाने के लिए घाट, मोक्षधाम, बायो डायवर्सिटी आदि से जुड़े 245 प्रोजेक्ट पर तेजी से काम हो रहा है। गंगा की 40 सहायक नदियों में प्रदूषित जल का प्रवेश रोकने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार में 170 परियोजनाओं पर काम चल है। एक और राहत की खबर जो उम्मीद की किरण बन कर सामने आयी है कि गंगा में विषाक्त कचरा उड़ेलने वाली औद्योगिक इकाइयों में कमी आ रही हैं। सरकार के प्रयासों से गंगा के तटों का सौन्दर्यकरण भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जिससे पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा। मोदी सरकार ने एक सराहनीय पहल करके स्वच्छ गंगा कोष की स्थापना की है, जिसमें स्थानीय नागरिक व भारतीय मूल के विदेशी व्यक्ति और संस्थाएं आर्थिक, तकनीकी व अन्य सहयोग कर सकते हैं। स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें मिली विभिन्न भेंटों व स्मृति चिह्नों की नीलामी से प्राप्त 16 करोड़ 53 लाख रुपये की राशि इसी कोष में दी है।

यह खबर आई थी कि सरकार 2022 तक गंगा नदी में गंदे नालों के पानी को गिराने से पूरी तरह रोक देगी और इस मसले पर एक मिशन की तरह काम चल रहा है। लेकिन ताजा स्थितियां एवं गंगा का प्रदूषण बताता है कि इस नदी के निर्मलीकरण के लिए चलाई जाने वाली योजनाओं की उपलब्धि वास्तव में कितनी है? नीतियों और योजनाओं के बरक्स उन पर अमल की यह तस्वीर राजनीति इच्छाशक्ति एवं प्रशासनिक लापरवाही को ही दर्शाती है। अन्यथा क्या कारण है कि नदियों के प्रदूषण को दूर करने के क्रम में सबसे ज्यादा जोर गंगा को स्वच्छ बनाने पर ही दिया गया, मगर इसका हासिल आज भी संतोषजनक नहीं है। सही मायनों में आज गंगा के उद्धार के लिये सरकार के साथ-साथ हर भारतीय को भगीरथ जैसा दायित्व निभाना होगा। तभी सदियों से अविरल बह रही जीवनदायी गंगा की प्रतिष्ठा एवं पवित्रता भी फिर से स्थापित हो सकेगी। फिर एनजीटी को यह न कहना पड़ेगा कि फलां जगह का गंगाजल आचमन करने लायक नहीं रह गया है। (लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

असहिष्णुता शांति ही नहीं, स्वास्थ्य के लिये भी घातक

व्यक्तियों, समाजों एवं राष्ट्रों की एक दूसरे के लिये बढ़ती असहिष्णुता ही युद्ध, नफरत एवं द्वेष का कारण है, यही साम्प्रदायिक हिंसा एवं उन्माद का भी कारण है। असहिष्णुता, घृणास्पद भाषण और दूसरों के प्रति भय, नफ़रत, घृणा एवं द्वेष न केवल संघर्ष और युद्धों का एक शक्तिशाली प्रेरक है, बल्कि इसका मुख्य कारण भी है। जबकि सहिष्णुता वह बाध्यकारी शक्ति है जो हमारे बहुसांस्कृतिक, बहुजातीय और बहुधार्मिक समाज को एकजुट करती है। असहिष्णुता केवल सामाजिक एवं राजनैतिक ताने-बाने को ही छिन्न-भिन्न नहीं करती है, बल्कि इसका देश की अर्थव्यवस्था, उसके विकास एवं अंतर्राष्ट्रीय छवि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैश्वीकरण के युग में अंतर्राष्ट्रीय वित्त एवं व्यापार व्यवस्था को मजबूती देने के लिये सहिष्णुता की बड़ी जरूरत है। यह व्यक्तिगत जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। इसीलिये हर साल 16 नवंबर के दिन पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय सहनशीलता दिवस मनाया जाता है। दरअसल, बदलते लाइफस्टाइल और सामाजिक माहौल की वजह से लोगों के अंदर सहनशीलता लगातार घटती जा रही है। सामाजिक माहौल ना बिगड़े और लोग एक दूसरे के साथ मिल-जुलकर रहें, इसी संकल्प के साथ यह दिवस मनाया जाता है। 1995 में महात्मा गांधी की 125वीं जयंती पर संयुक्त राष्ट्र ने सहनशीलता वर्ष मनाया था। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1996 में औपचारिक तौर पर प्रस्ताव पास कर अंतरराष्ट्रीय सहनशीलता दिवस की शुरुआत की थी।

असहिष्णुता की मनोवैज्ञानिक विवेचना यह दर्शाती है कि यह मुख्यत: अनजान कारकों एवं स्थितियों के प्रति संदेह से भरे रवैये से उपजती है। ऐसी मनोवैज्ञानिक स्थिति किसी भी समाज के लिये स्वस्थ मनोदशा का प्रतीक नहीं हो सकती। साथ ही, परस्पर सद्भाव एवं सम्मान के स्थान पर प्रतियोगिता तथा द्वेष से संचालित समाज अंततः बिखराव की तरफ बढ़ने को अभिशप्त होता है। फलस्वरूप राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को अक्षुण्ण रखने के लिये भी असहिष्णुता के स्तर को नियंत्रण में रखना बहुत आवश्यक है। सहनशीलता का शाब्दिक अर्थ है शरीर और मन की अनुकूलता और प्रतिकूलता को सहन करना। मानव व्यक्तित्व के विकास और उन्नयन का मुख्य आधार तत्व सहिष्णुता है। स्वयं के विरूद्ध किसी भी आलोचना को स्वीकार नहीं करना मोटे रूप में असहिष्णुता है। बताया जाता है कि सहिष्णुता मनुष्य को दयालु और सहनशील बनाती है वहीं असहिष्णुता मनुष्य को दम्भी या अहंकारी बनाती है। अहंकार अंधकार का मार्ग है जो मनुष्य और समाज का सर्वनाश कर देती है। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर छोटी-छोटी बातों पर लड़ाई-झगड़ा आम हो गया है। इतना ही नहीं लोग रिश्ते-नाते भूलकर भी जान लेने और देने पर उतारू हो रहे हैं।

सहनशीलता का जिंदगी में बहुत महत्त्व है। जिसने जीवन में सहन करना सीख लिया वह जिंदगी की हर जंग जीत सकता है। सहिष्णुता जीवन शक्ति का पर्याय है। विश्व के देशों में सहनशीलता का निरंतर क्षरण हो रहा है। शासक एक दूसरे के विरुद्ध ऐसे बयान जारी कर रहे हैं जिससे विश्व में कटुता और असहिष्णुता का बाजार गर्म हो रहा है। इसी से युद्ध हो रहे हैं। रूस-यूक्रेन हो या हमास-इजरायल लम्बे समय से युद्ध से झूलस रहे हैं। इजरायल और हमास के बीच पिछले एक साल से लगातार युद्ध चल रहा है. जिसमें अब तक हजारों लोगों की जाने जा चुकी हैं। वहीं रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध से समूचे विश्व की अर्थ-व्यवस्था प्रभावित है। बात विश्व की ही नहीं, राष्ट्र एवं समाज की भी है, हर ओर छोटी-छोटी बातों पर उत्तेतना, आक्रोश, हिंसा, नफरत, द्वेष के परिदृश्य व्याप्त है। विश्व सहनशीलता दिवस मनाने के पीछे यह तर्क दिया जा रहा है कि मानव समुदाय एक दूसरे का सम्मान करें और उन भावनाओं को पुष्ट करें जिससे किसी भी स्थिति में सहिष्णुता को हानि नहीं पहुंचे। ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों से कहा, 'हिंसा का प्रतिकार कभी हिंसा से नहीं करना, बल्कि सहिष्णुता से करना और अगर कोई तुम्हारे एक अंग पर प्रहार करे तो दूसरा अंग भी उसके आगे कर देना।' आततायियों द्वारा सलीब पर चढ़ाए जाते हुए भी ईसा मसीह ने कहा, 'हे ईश्वर, इन्हें क्षमा कर देना क्योंकि ये नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं।'

प्राचीन काल और मध्य युग में अहिंसा और सहिष्णुता की जो बातें मनु, बुद्ध, महावीर और नानक ने कही उसी की नई इबारत गांधीजी ने लिखी। किसी भी उद्देश्य के लिए किसी भी पक्ष द्वारा हिंसक मार्ग के अनुसरण को उन्होंने यह कह कर नकारा कि सात्विक दृष्टि से जब सब एक ही परमात्मा के अंश है, आस्था एक ही है तो फिर विद्वेष, प्रतिहिंसा और प्रतियोगिता क्यों? जिस समाज के पास वेदवाणी और गुरुवाणी से लेकर गांधी तक अहिंसावादी विचारों की धरोहर हो, वहां इतनी असहिष्णुता और इतनी हिंसा क्यों? एक बहुत झीनी, नाजुक और पतली-सी दीवार है सहिष्णुता, जिसके पीछे हिंसा, घृणा, वैर विरोध और प्रतिरोध जैसे विकार घात लगाए बैठे हैं। पारिवारिक, सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक या आर्थिक में से कोई भी कारण सहिष्णुता की नाजुक दीवार को गिराने के लिए काफी हो सकता है। किसी भी युग में किसी भी देश में जब-जब सहिष्णुता की दीवार में कोई सुराख करने की कोशिश हुई है, तब-तब आसुरी एवं हिंसक शक्तियों ने सामाजिक एकता को कमजोर किया है और विनाश का तांडव रचा है।

सहिष्णुता तभी कायम रह सकती है जब संवाद एवं सौहार्द कायम रहे। सहिष्णुता इमारत है तो संवाद आधार। लेकिन प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावाद के जाल में फंस चुके इस विश्व में यह संवाद लगातार टूटता जा रहा है। दूसरों के प्रति असहिष्णुता और वैर भाव देखने वाला व्यक्ति समाज का अहित बाद में और अपना अहित पहले करता है। कारण यह है कि मन में मानसिक शांति और आसुरी तत्व दोनों एक साथ रह ही नहीं सकते। हिंसात्मक विचार और विकार मन से शांति को उखाड़ कर ही अपना स्थान और सामान्य बनाते आए हैं। सहिष्णुता एक उत्प्रेरक है अनेक अनुवर्ती क्रियाओं की। जिस समाज में सहिष्णुता है, वहां क्षमा है। जहां क्षमा है वहां सौहार्द है। जहां सौहार्द है वहां सहयोग और समन्वय है। जहां समन्वय है, वहां शांति है। जहां शांति है, वहां मानव का, समाज का, राष्ट्र और विश्व का विकास है। इसी युग में दुनिया के कई शांतिप्रिय राष्ट्रों की मिसाल हमारे सामने है, जिन्होंने मारामारी, हिंसा और तनातनी से दूर रहकर सामाजिक और आर्थिक विकास की कई बुलंदियों को छुआ है और वे लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने सहिष्णुता के मार्ग का ही अनुसरण किया है।

असहिष्णुता शांति एवं सह-जीवन के लिये ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य के लिये भी घातक है। शास्त्रों में भी कहा गया है कि चिंता 'चिता' समान और क्रोध 'विनाश' की पहली सीढ़ी होता है। जल्दी उत्तेजित होने वाले जहां अन्य लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वहीं, खुद की सेहत से भी खिलवाड़ कर रहे हैं। हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग उन्हें जकड़ रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, सही शिक्षा के अभाव में नई पीढ़ी में मानसिक सहनशीलता कम हो रही है। वहीं सामाजिक परिवेश के आकलन के बिना बनाए गए कानून भी आग में घी का काम कर रहे हैं। पढ़ाई व संस्कारों के लिए स्कूलों में डांटना-मारना उत्पीड़न कहा जा रहा है। ऐसे में जहां शिक्षकों को अपमान झेलना पड़ता है। वहीं, युवाओं के हौसले बुलंद हैं। इस समस्या से बचने के लिए सिर्फ शरीर ही नहीं बल्कि दिमाग को भी मजबूत करना पड़ेगा। इस अंतरराष्ट्रीय सहनशीलता दिवस पर हर व्यक्ति को संकल्प लेना चाहिए कि वो स्वयं सहनशील बनेगा तथा अपने बच्चों को सहनशील बनाएगा। क्योंकि सहनशील व्यक्ति अपने आसपास के वातावरण में शांति और सौहार्द्र कायम रखता है। यह हमारे जीवन के सकारात्मक पहलुओं को उजागर करता है। ऐसे लोग हर स्वभाव के लोगों के साथ तालमेल रखते हैं। आधुनिक युग में रिश्तों में दरार उत्पन्न होने और हिंसा में वृद्धि होने के कारकों में सहनशीलता का अभाव ही है। सहनशीलता हमारे जीवन का मूल मंत्र है। सहिष्णुता ही लोकतंत्र का प्राण है और यही वसुधैव कुटुम्बकम, सर्वे भवन्तु सुखिनः एवं सर्वधर्म सद्भाव का आधार है। इसी से मानवता का अभ्युदय संभव है। (लेखक- ललित गर्ग / ईएमएस)

आज का इतिहास 16 नवंबर

- 1713 बालाजी विश्वनाथ पेशवा नियुक्त किए गए।
- 1797 ब्रिटिश नौ सेना भूमध्यसागर से हटी।
- 1835 झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का जन्म।
- 1860 भारत से अनुबंधित श्रमिको गिरमिटिया मजदूरों का प्रथम दल नायल दक्षिण अफ्रीका गया।
- 1933 अमरीका और सोवियत संघ के बीच राजनयिक संबंध कायम हुए।
- 1941 जर्मनी ने मास्को पर दोबारा हमला किया।
- 1952 यूनान में फील्ड मार्शल पापगोस ने सरकार का गठन किया।
- 1967 साइप्रस में संघर्ष में 23 तुर्की सीप्रियाई मारे गए।
- 1968 सोवियत संघ ने विश्व का सबसे बड़ा अंतरिक्ष यान प्रोटोन चार का प्रक्षेपण किया।
- 1972 अमरीका और यूरोपीय देशों ने सोवियत संघ को मध्य यूरोप में हथियारों की कटौती संबंधी वार्ता में शामिल होने का न्यौता दिया।
- 1988 एस्टोनिया की संसद ने स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1989 दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति एफ। डब्ल्यू.डी.क्लार्क ने सार्वजनिक सुविधाओं में भेदभाव समाप्त करने की बात कही।
- 1990 हंगरी ने सोवियत निर्मित जमीन से जमीन पर मार करने वाले प्रक्षेपास्त्रों को नष्ट करने का ऐलान किया।
- 1992 रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तसीन ने देश को संकट से उबारने के लिए संकट विरोधी योजना बनाई।

शब्द पहेली - 8189

■	1		2	■	3			4
5	■	■	6			■	■	
	■	7		■	8	9	■	
10	11				■	12	13	
■		■		■	14	■		■
15		16	■	17		18		19
	■	20	21	■	22			
	■	■	23			■	■	
24				■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. दांपत्य संबंध विच्छेद-3
3. रहस्य का ज्ञाता-4
6. खुशबू, सुगंध-3
7. सौ, सैकड़ा, शतक-2
8. दुलारा, लाड़ला-2
10. नाम रखना-5
12. दाम, मूल्य, दर-3
15. अग्नि, आग-3
17. सम्मान देना -2,3
20. जन्नत, अप्सरा-2
22. दाम, कीमत-2
23. स्थान-3
24. अचरज भरा कार्य-4
25. गागर, घड़ा-3

ऊपर से नीचे

2. न्यूनता, कमी-5
3. अटक-अटक कर बोलने वाला-3
4. आवश्यकता-4
5. राजी करना, मान मनुहार करना-3
7. वहम, संदेह-2
9. भाग्यशाली(अंग्रजी-2)
11. मैला, दागदार-3
13. धोखेबाज, कपटी-3
14. मन मोहने वाला-5
15. अशांति फैलाने वाला, उपद्रवी-4
16. रक्त, खून-2
18. आनेवाला दिन-2
19. नृत्य करना-3
21. चांदी-3

शब्द पहेली -8188 का हल

■	ल	ह	र	■	क	ल	ह	■
श	व	■	ह	■	मी	■	क	म
री	■	ह	म	रा	ज	■	■	ह
फ	की	र	■	ही	■	ब	हु	ल
■	■	द	ल	■	कं	द	■	■
स	न	म	■	रा	■	ना	र	द
ली	■	■	स	त	ना	म	■	म
का	न	■	र	■	वि	■	जा	न
■	त	र	ल	■	क	हा	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

साउदी इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद संन्यास लेंगे

क्राइस्टचर्च (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी ने कहा है कि वह इंग्लैंड के खिलाफ इसी माह के अंत में होने वाली सीरीज के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। साउदी कहा कि इंग्लैड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद वह उपलब्ध नहीं रहेंगे हालांकि अगर उनकी टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचती है और टीम उनकी जरुरत महसूस होती है तो वह खेलने के लिए तैयार रहेंगे। संन्यास की घोषण पर उन्होंने कहा , न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व करना मेरा वह सपना था। जो मैं बड़े होते हुए देखता था ब्लैककैप्स के लिए 18 सालों तक खेलना मेरे लिए अत्यंत सम्मान और सौभाग्य की बात है। लेकिन अब इस समय पर पहुंचकर ऐसा लगता है कि ये उस खेल से हटने का सही समय है। जिसने मुझे बहुत कुछ दिया। उन्होंने कहा कि, मेरे दिल में टेस्ट क्रिकेट एक बहुत ही खास जगह रखती है। तो उस विरोधी टीम के खिलाफ ही बड़ी टेस्ट सीरीज खेलना, जिसके खिलाफ मैंने अपने की शुरुआत की थी। इसलिए ये संन्यास का सही समय है। उन्होंने कहा, तीन मैदानों पर एक अंतिम अवसर जो मेरे लिए काफी अच्छे रहे हैं और जिन जगहों पर खेलना मुझे वाकई पसंद है। यह एक कठिन फैसला है पर मुझे लगता है कि यह सही है। कई युवा गेंदबाज सामने आ रहे हैं और मैं उनके लिए अब जगह बनाना चाहता हूं। साथ ही कहा कि युवा टीम के साथ काम करके उन्हें काफी आनंद आया है। इस दौरान उन्होंने युवाओं को जो बातें सिखायी उम्मीद है कि उन्हें पसंद आयी होंगी। अब इस टीम को आगे बढ़ाने का समय आ गया है। मुझे लगता है कि आप अपने सामने जो कुछ भी है, उसे देखें और पिछले साल विश्व कप था और इस साल की शुरुआत में हमने टी20 विश्व कप खेला था। हमारे पास अब टेस्ट क्रिकेट सीरीज है। साउदी ने मार्च 2008 में नेपियर में डेनियल विटोरी के नेतृत्व में इंग्लैंड के खिलाफ अपना टेस्ट खेला था, जहां उन्होंने पहली पारी में पांच विकेट लिए थे, जबकि बल्ले से नाबाद 77 रन बनाए थे अब वह उसी टीम के खिलाफ अपना अंतिम मैच खेलेंगे। साउदी का अंतिम टेस्ट मैच उनके गृहनगर हैमिल्टन में होगा, जिसका अर्थ है कि वह परिवार और दोस्तों के सामने खेलकर सबसे लंबे प्रारूप को अलविदा कहेंगे। इससे वह उत्साहित है। उन्होंनें कहा कि यह एक ऐसा मैदान है जहां मैंने बहुत क्रिकेट खेला है । इसके अलावा, बेसिन और हेगले ओवल भी काफी अच्छे स्थल हैं। साउदी वह न्यूजीलैंड के क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

रणजी ट्रॉफी की एक ही पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने अंशुल कंबोज

रोहतक (ईएमएस)। हरियाणा के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी 10 विकेट लेकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ ही अंशुल किसी रणजी में किसी एक पारी में सभी 10 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गये हैं। इससे पहले प्रेमांसु चटर्जी ने साल 1956 में बंगाल-असम मैच में 20 रन देकर 10 विकेट लिए थे जबकि प्रदीप सुंदरम ने 1985 में राजस्थान-विदर्भ मैच में 78 रन देकर 10 विकेट लिए थे। कंबोज ने मैच के तीसरे दिन 30.1 ओवर में 49 रन देकर 10 विकेट लेकर एक अहम रिकार्ड बनाया। इस दौरान उन्होंने अपने 19वें प्रथम श्रेणी क्रिकेट मैच में 50 विकेट भी पूरे किए। कंबोज रणजी ट्रॉफी मैच में सभी दस विकेट लेने वाले गेंदबाजों की उस लिस्ट में शामिल हो गए हैं जिसमें

दूसरे दिन आठ विकेट लेने के बाद कंबोज ने तीसरे दिन का खेल शुरू किया और बेसिल थंपी और शॉन रोजर का विकेट लेकर अपने दस विकेट पूरे किए। वहीं इससे पहले सितंबर में, आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में दलीप ट्रॉफी खेलों के दौरान भी कंबोज ने 8-69 विकेट लिए थे और देबाशीष मोहंती 10/46 व अशोक डिंडा 8/123 के बाद टूर्नामेंट में आठ विकेट लेने वाले तीसरे तेज गेंदबाज बन गए थे।

कंबोज ने पिछले सत्र में 10 मैचों में 17 विकेट लेकर लिए थे। इससे हरियाणा को विजय हजारे ट्रॉफी में जीत मिल थी।

लोमरोर ने रणजी में तिहरा शतक लगाया

देहरादून (ईएमएस)। राजस्थान के ऑलराउंडर महिपाल लोमरोर ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए तिहरा शतक लगाया है। लोमरोर ने 360 गेंदों मे तिहरा शतक बनाया। इस दौरान उन्होंने 25 चौके और 13 छक्के लगाये। इससे लेमरोव ने जेद्दा में 24 और 25 नवंबर को होने वाली आईपीएल नीलामी से पहले आईपीएल फ्रेंचाइजियों का का ध्यान खींचा है। उनकी आक्रामक पारी से राजस्थान ने पहली पारी में उत्तराखंड के खिलाफ सात विकेट पर 660 रन बनाये। इसके बाद उत्तराखंड ने दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट पर 109 रन बना लिए हैं। दिन का खेल खत्म होने पर उत्तराखंड के कप्तान रविकुमार समर्थ और स्वप्निल सिंह 50 और 17 रनों पर खेल रहे थे।

लोमरोर ने दिन की शुरुआत 141 रन से करने के बाद 253 गेंद में दोहरा शतक पूरा किया। राजस्थान टीम ने लोमरोर के तिहरा शतक पूरा करने के तुरंत बाद पारी घोषित कर दी। लोमरोर ने इस दौरान कार्तिक शर्मा 113 के साथ पांचवें विकेट के लिए 177 रन बनाये। । लोमरोर ने विकेटकीपर भरत शर्मा 54 के साथ छठे विकेट के लिए 116 रन जोड़े। लोमरोर ने अब तक 40 आईपीएल मुकाबलों में 527 रन बनाए है। वह पिछले सत्र में आरसीबी को हिस्सा थे जिसने उन्हें रिलीज कर दिया। लोमरोर को इस साल आरसीबी ने ऑक्शन से पहले रिटेन नहीं किया है। वह पिछले सीजन में फ्रेंचाइजी के लिए कुछ खास कमाल नहीं कर पाए थे।

विश्व कप क्वालीफायर : पराग्वे ने अर्जेंटीना को 2-1 से हराया

असंसियोन (ईएमएस)। पराग्वे ने फीफा विश्वकप फुटबॉल क्वालीफायर में अर्जेंटीना को 2-1 से हरा दिया। उसकी ओर से एंटोनियो सनाब्रिया और ओमार अल्डेरेटे ने गोल किए। मैच का पहला गोल अर्जेंटीना के लुटारो मार्टिनेज ने किया। उन्होंने एनज़ो फर्नांडीज के शानदार पास पर ये गोल किया। वहीं कुछ देर बाद ही पराग्वे की ओर से सनाब्रिया ने गुस्तावो वेलास्केज के क्रॉस पर गोल दागकर 1-1 से मुकाबला बराबर कर दिया। हाफटाइम के तुरंत बाद पैराग्वे ने आक्रामक रुख अपनाया। अल्डेरेटे ने डिएगो गोमेज़ की फ्री-किक पर हेडर मारकर पैराग्वे को 2-0 से बढ़त दिलाई। दूसरे ओर अर्जेंटीना की टीम कोई गोल नहीं कर पायी और 1-2 से मैच हार गयी। इस हार के बाद भी अर्जेंटीना की टीम 11 मैचों में 22 अंकों के साथ 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी जोन में अब भी नंबर एक पर बरकरार है। वह पैराग्वे से छह अंक आगे है। इसमें से शीर्ष 6 टीमें 2026 विश्व कप के लिए सीधा क्वालीफाई करेंगी, जबकि सातवें स्थान की टीम को इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ में अवसर मिलेगा।

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज को हराकर सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल की

जमैका (ईएमएस)। सैम करेन और लियाम लिविंग्सटन की अच्छी बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने तीसरे टी20 मुकाबले में मेजबान वेस्टइंडीज को तीन विकेट से हराकर सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए मेजबान टीम को 8 विकेट पर 145 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को 19.2 ओवर में 7 विकेट पर 149 रन बनाकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और उसने शुरुआत में ही फिल साल्ट, कप्तान जॉस बटलर और जैकब बेथल के विकेट खो दिये। केवल विल जैक्स ही 32 रन बना पाये। 75 रनों पर चार विकेट गिरने के बाद करेन ने 41 जबकि लिविंग्सटन ने 39रन बनाकर पारी संभाली। 123 के टीम स्कोर पर करेन पेवेलियन लौट गये। तब लिविंग्सटन ने जैमी ओवर्टन के साथ मिलकर टीम को 143 रन तक पहुंचाया। लिविंग्स्टन के आउट होने के बाद जैमी ओवर्टन और रेहान अहमद ने इंग्लैंड को लक्ष्य तक पहुंचाया। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की आधी टीम 35 रन पर ही पेवेलियन लौट गयी। आउट होने वालों में अनुभवी निकलस पूरन और शे होप भी शामिल थे।

इसके बाद कप्तान रोवमन पॉवेल ने 41 गेंद में 54 रन बनाकर पारी संभालने का प्रयास किया। उन्हें रोमारियो शेफर्ड 30 का साथ मिला। वहीं अल्जारी जोसेफ ने भी 19 गेंद में 21 रन बनाये। इससे वेस्टइंडीज 8 विकेट पर 145 रन ही बना पायी। इंग्लैंड की ओर से साकिब महमूद और जैमी ओवर्टन ने 3-3 विकेट लिए।

भारतीय महिला हॉकी थाईलैंड को 13-0 से हराकर एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंची

राजगीर (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में थाईलैंड को 13-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। भारतीय टीम ने अपनी इस तीसरे मुकाबले में विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। भारत की ओर से दीपिका ने पांच गोल किये ये गोल दीपिका ने तीसरे, 19वें, 43वें, 45वें, 45वें मिनट में दागे जबकि प्रीति दुबे ने दो गोल नौवें, 40वें मिनट में किये। लालरेमसियामी ने 12वें और 56वें व ब्यूटी डुंगडुंग ने 30वें मिनट में एक गोल किया। नवनीत कौर ने 53वें और मनीषा चौहान ने 55वें, 58वें मिनट में एक-एक गोल किए। लालरेमसियामी ने इस मैच में उतरने के साथ ही अपने 150 मैच पूरे किये। वहीं प्रीति दुबे ने अपने 50 मैच पूरे किए। भारत ने पहले क्वार्टर में बेहतरीन प्रदर्शन किया। दीपिका ने तीसरे मिनट में ही गोल दाग कर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद अपना 50वां मैच खेल रही प्रीति ने एक गोल कर भारत की बढ़त को 2-0 कर दिया। लालरेमसियामी ने इसी क्वार्टर के 12वें मिनट में एक गोल किया। दूसरे क्वार्टर में दीपिका ने 19वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया।

अमेरिकी खर्च कटौती का सुझाव बाजार के लिए बुरा

- ट्रंप 2.0 सरकार में मस्क की 2 लाख करोड़ डॉलर तक की खर्च कटौती से डॉलर मजबूत होगा

वा?शिंगटन (ईएमएस)। जेफरीज में इक्विटी रणनीति के वैश्विक प्रमुख क्रिस्टोफर वुड ने एक टेलीविजन इंटरव्यू में कहा कि डॉनल्ड ट्रंप 2.0 सरकार में एलन मस्क की 2 लाख करोड़ डॉलर तक की खर्च कटौती की योजना से अमेरिकी डॉलर मजबूत होगा लेकिन यह शेयर बाजारों के लिए नकारात्मक होगी। उन्होंने कहा कि भारतीय शेयरों, खासकर मिडकैप और स्मॉलकैप में गिरावट अच्छी है और उन्होंने इसे बड़ी तेजी के बाद 'स्वाभाविक गिरावट' करार दिया है। अमेरिकी ट्रेजरी के आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिकी सरकार ने वित्त वर्ष 2024 में (अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024) 6.75 लाख करोड़ डॉलर खर्च किए थे। प्रतिशत में बात की जाए तो 2 लाख करोड़ डॉलर की कटौती से अमेरिका सरकार का सालाना खर्च 32 प्रतिशत घट जाएगा। टेस्ला के मुख्य कार्याधिकारी मस्क को नए अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिसिएंशी का सह-प्रमुख नियुक्त किया है। वुड ने कहा ?कि जब तक मस्क अमेरिकी प्रशासन में बदलाव नहीं लाते और 2 लाख करोड़ डॉलर की कटौती करने में सक्षम नहीं हो जाते, तब तक ट्रेजरी बॉन्ड बाजार में बिकवाली बनी रहेगी। इससे अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मंदी-महंगाई का झटका लगेगा और निवेशक दूसरी जगहों का रुख कर सकते हैं। अगर ट्रंप वाकई ऐसी नीति के हिमायती हैं तो इसका मतलब होगा कि अधिकारों में कटौती करना। उनका अनुमान है कि अमेरिकी डॉलर की मजबूती केवल अल्पावधि में ही रहेगी – जनवरी 2025 में डॉनल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण तक। वुड का मानना है कि हालांकि शेयर बाजार के नजरिये से बढ़ते बॉन्ड प्रतिफल से ज्यादा खतरा पैदा हुआ है, जिसे बाजार लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं कर पाएगा।सितंबर 2024 के मध्य के 3.6 प्रतिशत के स्तर से अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल अब बढ़कर 4.46 प्रतिशत हो गया है जो इस अवधि के दौरान लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि है। वुड के अनुसार इक्विटी के लिए जोखिम यह है कि एक समय ऐसा होगा जब शेयर बाजार बढ़ते बांड प्रतिफल को नजरअंदाज नहीं कर पाएगा। वुड ने निवेशकों को भेजे अपने साप्ताहिक नोट ग्रीड ऐंड फियर में लिखा है, इक्विटी के लिए अन्य नकारात्मक बात यह है कि तरलता की स्थिति ऐसे समय लड़खड़ानी शुरू हुई है जब मूल्यांकन अपनी ऐतिहासिक ऊंचाई पर हैं। वुड ने कहा कि भारत की बात करें तो देश का रिजर्व बैंक वैश्विक घटनाक्रम के बावजूद ब्याज दरों में कटौती करने की जल्दबाजी में नहीं दिख रहा है।

माओरी संस्कृति की पहचान के लिए न्यूजीलैंड की युवा सांसद का प्रदर्शन बना चर्चा का कारण

वेलिंग्टन (ईएमएस)। न्यूजीलैंड की 22 वर्षीय सबसे युवा सांसद हाना-राविति माईपी-क्लार्क फिर अपने पारंपरिक हाका वॉर डांस के कारण चर्चा में हैं। संसद में ब्रिटिश क्राउन और माओरी लोगों के बीच 1840 की ऐतिहासिक वेतांगी संधि की व्याख्या में बदलाव की मांग वाले एक विधेयक के विरोध में उन्होंने जोरदार प्रदर्शन किया। संसद में हाना ने गुस्से में विधेयक के कागज फाड़कर पारंपरिक हाका नृत्य के जरिए विरोध जताया। इस शक्तिशाली प्रदर्शन में उनके पार्टी के सदस्यों के साथ-साथ सार्वजनिक गैलरी में बैठे दर्शक भी शामिल हो गए। हाना के गुस्से और हाका के दौरान पूरा सदन गूंज उठा, और इस प्रदर्शन के चलते विधेयक पर मतदान को स्थगित करना पड़ा।

दरअसल हाना माओरी संस्कृति की प्रबल समर्थक हैं। जनवरी में अपने शपथ ग्रहण के दौरान भी उन्होंने हाका नृत्य कर दुनिया का ध्यान आकर्षित किया था। हाना, ब्रॉडकास्टर पोटाका माईपी की बेटी हैं। उनके दादा तैतिमु माईपी ने 2020 में विवादित कैप्टन हैमिल्टन की प्रतिमा को हटाने में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं 2023 के आम चुनावों में जीतने के बाद वह न्यूजीलैंड की सबसे युवा सांसद बनीं।

क्या है वेतांगी संधि और विवाद

दरअसल 1840 की वेतांगी संधि ब्रिटिश क्राउन और माओरी नेताओं के बीच हुई ऐतिहासिक संधि है, जो जमीन, अधिकारों और स्वायत्तता से जुड़ी है। इसे लेकर सदियों से व्याख्या और लागू करने के तरीकों पर विवाद चलता रहा है। वहीं युवा सांसद हाना का यह विरोध केवल विधेयक तक सीमित नहीं था, बल्कि यह माओरी संस्कृति की पहचान और स्वाभिमान का प्रदर्शन भी था। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद दुनियाभर में इस कदम की चर्चा हो रही है।

राष्ट्रपति दिसानायके की पार्टी एनपीपी की शानदार बढ़त

-श्रीलंका में नई राजनीति का आगाज़

कोलंबो,(ईएमएस)। श्रीलंका में हाल ही में संपन्न संसदीय चुनाव के शुरुआती नतीजों ने देश में नई राजनीतिक दिशा की उम्मीदें जगा दी हैं। राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके की पार्टी, नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी), भारी जीत की ओर बढ़ रही है। प्रारंभिक नतीजों के अनुसार, एनपीपी को 70 प्रतिशत से अधिक वोट मिले हैं, जबकि मुख्य विपक्षी दल समागी जन बालावेगया (एसजेबी) और नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट (एनडीएफ) क्रमशः 11 और 5 प्रतिशत वोटों पर सिमट गई हैं।

गैले, पोलोनारुवा और मटारा जैसे महत्वपूर्ण जिलों में एनपीपी ने बड़ी बढ़त बनाई है। गैले में एनपीपी को 70 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त हुए हैं, जबकि पोलोनारुवा और मटारा में भी उन्होंने अधिकांश सीटें जीतकर अपनी पकड़ मजबूत की है। देशभर में 225 संसदीय सीटों के लिए हुए इस चुनाव में करीब 1.7 करोड़ मतदाताओं ने हिस्सा लिया, जिसमें 65फीसदी मतदान दर रही।

एनपीपी की इस अभूतपूर्व सफलता को आर्थिक तंगी से जूझ रहे श्रीलंका के लिए एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। राष्ट्रपति दिसानायके ने भ्रष्टाचार उन्मूलन और गरीबी समाप्त करने के लिए कड़े कदम उठाने का संकल्प जताया है, जिससे श्रीलंका की जनता में उनके प्रति भरोसा और बढ़ा है। पहले संसद में केवल तीन सीटों पर कब्जा रखने वाली एनपीपी अब संसद में बड़ी ताकत बनने जा रही है।

श्रीलंका में लंबे समय से चली आ रही परिवारवादी राजनीति के चलते दिसानायके के नेतृत्व को एक नयी सोच के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। एनपीपी की बढ़त से यह साफ है कि श्रीलंकाई जनता अब नई सोच और स्वच्छ राजनीति का समर्थन कर रही है। अब यह देखना होगा कि राष्ट्रपति दिसानायके की सरकार इस जनादेश के साथ किस तरह से अपने वादों को पूरा करती है और देश की अर्थव्यवस्था में सुधार लाने में कितनी सफल होती है।

ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के लिए कैबिनेट नियुक्तियों का किया ऐलान

वाशिंगटन,(ईएमएस)। डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद अपने दूसरे कार्यकाल के लिए अपने मंत्रिमंडल के महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां करने का ऐलान कर दिया है। इन नियुक्तियों में कुछ भारतीय मूल के लोगों को भी जगह दी गई है। ट्रंप का यह कार्यकाल पहले की तुलना में काफी अलग हो सकता है और उनके द्वारा चुने गए कैबिनेट सदस्य इसका संकेत दे रहे हैं।

ट्रंप ने फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो को राज्य सचिव बनाया गया है। रुबियो चीन, क्यूबा और ईरान पर अपने कड़े रुख के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने ट्रंप के साथ अपनी मजबूत साझेदारी को जारी रखते हुए इस पद को स्वीकार कर लिया है। इसके अलावा मैट गेट्ज को अटॉर्नी जनरल बनाया है, जो कानून के क्षेत्र में ट्रंप के वफादार रहे हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने हवाई की पूर्व प्रतिनिधि तुलसी गबार्ड को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। गबार्ड, जो पहले डेमोक्रेट पार्टी की सदस्य थीं, उन्होंने 2022 में पार्टी छोड़कर ट्रंप का समर्थन करने उतर गई थीं। इसके अलावा, रक्षा सचिव के रूप में पीट हेगसेथ को नियुक्त किया गया है, जो न्यूज एंकर रह चुके हैं और सेना के साथ अपने अनुभव के लिए जाने जाते हैं।

स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव के रूप में रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर की नियुक्ति की है, जो वैक्सीनेशन के आलोचक रहे हैं और जिनका ट्रंप द्वारा समर्थन किया गया। इसके अलावा ट्रंप ने अपने करीबी सहयोगियों को व्हाइट हाउस में महत्वपूर्ण पदों पर रखा है, जिसमें सूसी विल्स को चीफ ऑफ स्टाफ और माइक वाल्ट्ज को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया है। इन नियुक्तियों से यह साफ नजर आ रहा है कि ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के लिए अपने वफादारों को प्राथमिकता दी है और उनकी सरकार का उद्देश्य अमेरिका को दुनिया में और ज्यादा प्रभावशाली बनाना है।

गुरु नानक जयंती पर 15 नवंबर को शेयर बाजार बंद

- शाम के सेशन में ट्रेडिंग 5:00 बजे से 11:55 बजे तक चालू रहेगी

मुंबई (ईएमएस)। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर गुरु नानक जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को बंद रहेंगे। आज डेरिवेटिव्स, इक्विटीज, करेंसी डेरिवेटिव्स और ब्याज दर डेरिवेटिव्स में ट्रेडिंग बंद रहेगी। कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में सुबह का सेशन 9:00 बजे से 5:00 बजे तक बंद रहेगा, जबकि शाम के सेशन में ट्रेडिंग 5:00 बजे से 11:55 बजे तक चालू रहेगी। एनएसई और बीएसई में ट्रेडिंग 18 नवंबर सोमवार से फिर शुरू होगी। बीएसई की वेबसाइट के मुताबिक नवंबर में एक छुट्टी 1 नवंबर को लक्ष्मी पूजा के अवसर पर थी। बाकी दो छुट्टियां 15 नवंबर को गुरु नानक जयंती और 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए है। पहले नवंबर में सिर्फ दो ही स्टॉक मार्केट छुट्टियां थीं, लेकिन 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद बीएसई और एनएसई ने 20 नवंबर को स्टॉक मार्केट की छुट्टी घोषित कर दी। बीएसई के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार, 2024 में कुल 16 दिन के लिए ट्रेडिंग की छुट्टियां घोषित की गई हैं। इस साल अब तक 13 अवसरों पर बाजार बंद रहे हैं। आखिरी बार बाजार 1 नवंबर, शुक्रवार को लक्ष्मी पूजन के लिए बंद हुआ था। अभी दिसंबर में बाजार 25 दिसंबर बुधवार को क्रिसमस के अवसर पर बंद रहेगा। इसके अलावा बाजार शनिवार और रविवार को सामान्य रूप से कारोबार के लिए बंद रहेगा। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और बढ़ती महंगाई के चलते भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का सेंसेक्स 30 शेयरों वाला इंडेक्स 110.64 अंक गिरकर 77,580.31 पर बंद हुआ। हालांकि, शुरुआती कारोबार में यह 254.5 अंक की बढ़त के साथ 77,945.45 तक पहुंच गया था। वहीं एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 26.35 अंक की गिरावट के साथ 3,532.70 पर बंद हुआ। निफ्टी ने भी शुरुआती कारोबार में 86.25 अंक की बढ़त के साथ 23,645.30 का स्तर छू लिया था।

रुस के सुखोई-57 को मिला खरीददार.......लेकिन ग्राहक देश का नाम नहीं किया उजागर

मास्को (ईएमएस)। रूस ने अपने सुखोई-57 (एसूय-57) स्टेल्थ फाइटर जेट के लिए पहले अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर की पुष्टि की है, हालांकि खरीदार देश का नाम सामने नहीं आया है। यह घोषणा तब हुई जब एसयू-57 चीन के झुहाई एयर शो 2023 में अपने हैरतअंगेज हवाई करतबों से चर्चा में था।

एसयू-57 रूस का अत्याधुनिक स्टेल्थ फाइटर जेट है, जो दुश्मन के रडार से बचने और बहु-भूमिका मिशन को अंजाम देने में सक्षम है। यह विमान हाइपरसोनिक मिसाइलों सहित उन्नत हथियारों से लैस है, जो इसे हवाई और जमीनी हमलों में घातक बनाता है। रूसी हथियार निर्यात कंपनी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के प्रमुख अलेक्जेंडर मिखीव ने सौदे की पुष्टि की, लेकिन ग्राहक देश का नाम नहीं बताया है। अटकलें हैं कि यह सौदा अफ्रीकी देश अल्जीरिया के साथ हुआ है। अल्जीरिया रूस का करीबी सैन्य सहयोगी है और एसयू-57 खरीदने की उसकी रुचि पहले भी रिपोर्ट की गई थी। वहीं भारत ने फिलहाल एसयू-57 को खरीदने में रुचि नहीं दिखाई है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट की जरूरत पूरी करने के लिए इस विमान पर विचार करना चाहिए।

चीन और एसयू-57

एसयू-57 का चीन में प्रदर्शन यह संकेत देता है कि रूस अपने इस अत्याधुनिक लड़ाकू विमान को वैश्विक बाजार में बढ़ावा देने के लिए गंभीर है। हालांकि, चीन ने पहले से ही अपने घरेलू स्टेल्थ फाइटर जेट जे-20 का विकास किया है, इसलिए वह एसयू-57 का ग्राहक बनने की संभावना से बाहर है। भारत ने पहले रूस के साथ फिफ्थ जनरेशन फाइटर एयरक्राफ्ट (एफजीएफए) परियोजना में साझेदारी की थी, लेकिन 2018 में इस प्रोजेक्ट से पीछे हट गया था। भारत को वर्तमान में अपनी वायुसेना के आधुनिकीकरण और लड़ाकू क्षमता बढ़ाने के लिए पांचवीं पीढ़ी के विमान की आवश्यकता है। रूस विशेषज्ञ मानते हैं कि एसयू-57 भारत के लिए एक उपयुक्त विकल्प हो सकता है, विशेषकर एएमसीए प्रोजेक्ट के विकास में समय लगने के कारण।

रूस के लिए बड़ी सफलता

एसयू-57 के लिए पहला अंतरराष्ट्रीय सौदा रूस के लिए एक बड़ी सफलता है, जो इसके हथियार निर्यात उद्योग को बढ़ावा देगा। ग्राहक की पहचान को गुप्त बनाए रखने से अंतरराष्ट्रीय सैन्य विश्लेषकों और विशेषज्ञों के बीच अटकलें तेज हो गई हैं।

निवेशकों को जागरूकता के लिए आयोजित हो रहा है आईआईटीएफ

- फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग करने वालों में से 9 में से 10 निवेशक उठा रहे हैं नुकसान

नई दिल्ली (ईएमएस)। शेयर बाजार में नुकसान से जूझ रहे निवेशकों के लिए एक नया उद्यम आईआईटीएफ द्वारा शुरू किया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा समर्थित यह मंडप निवेशकों को वित्तीय बाजारों के बारे में शिक्षित करने का मिशन संभाल रहा है। इस आयोजन के दौरान सेबी बाजार अवसंरचना संस्थान और उद्योग संघ निवेशकों में जागरूकता फैलाने के लिए विशेषज्ञों द्वारा वार्ता शो और गतिविधियां आयोजित करेंगे। नये नियमों के अनुसार एफएंडओ ट्रेडिंग करने वालों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। इस मंडप का पहला कार्यक्रम उद्घाटन के संदर्भ में भारत का शेयर बाजार नामक मंडप है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शिक्षित करके उन्हें स्वतंत्र और सावधान निवेश के मार्ग पर ले जाना है। सेबी की रिपोर्ट के अनुसार फ्यूचर एंड ऑप्शन ट्रेडिंग करने वालों में से 9 में से 10 निवेशक नुकसान उठा रहे हैं, इसलिए सही जानकारी और समझ से सहायता लेना महत्वपूर्ण है। आईआईटीएफ के माध्यम से तकनीकी, वित्तीय बाजारों की संभावनाओं और शिक्षित निवेश के उत्तम तरीकों पर जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

पिनाका और चीन का पीएचएल-03 रॉकेट सिस्टम में कौन बेहतर..........रिपोर्ट में जानिए

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत और चीन के बीच बढ़ते सैन्य तनाव और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के बीच दोनों देशों के रॉकेट लांचर सिस्टम ने ध्यान आकर्षित किया है। भारतीय सेना का पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लांचर (एमबीआरएल) और चीन का पीएचएल-03 रॉकेट सिस्टम अपनी-अपनी क्षमताओं के दम पर क्षेत्रीय युद्धक्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

जहां पिनाका का एमके-ध संस्करण 37 किमी की रेंज देता है, जबकि श्- सेंकड 60 किमी तक मार करता है। हाल ही में विकसित गाइडेड पिनाका की रेंज 75 किमी तक बढ़ गई है। भारत 120 किमी, 150 किमी और 200 किमी की रेंज वाले पिनाका विकसित कर रहा है। गाइडेड पिनाका अत्याधुनिक तकनीक से लैस है, जो इस सटीक निशाने के लिए सक्षम बनाता है। यह 44 सेकंड में 12 रॉकेट दाग सकता है। यह प्रणाली युद्धक्षेत्र में दुश्मन के ठिकानों, कमांड सेंटर, और सैनिकों पर तेजी से हमला करने में सक्षम है। भारत पिनाका सिस्टम को आर्मेनिया और अन्य मित्र देशों को निर्यात कर रहा है।

वहीं चीन का पीएचएल-03 का डिजाइन सोवियत बीएम-30 स्मर्च पर आधारित है। इसकी रेंज 130 किमी तक है और इसमें बीआरई 300 मिमी रॉकेट लगते हैं। प्रत्येक रॉकेट 800 किग्रा वजनी होता है। यह 280 किग्रा का वारहेड ले जा सकता है, और इसकी नई तकनीक 30 किमी अतिरिक्त रेंज प्रदान करती है। इसका उपयोग बड़े पैमाने पर सैनिकों, हवाई ठिकानों, और कमांड बैटरियों पर हमले के लिए किया जाता है।

दोनों ही लांचर में मुख्य तुलना

पिनाका (भारत)

पीएचएल-03 (चीन)

रेंज 37 किमी (एमके-ध), 75 किमी (गाइडेड) 130 किमी (बीआरईरॉकेट)

रॉकेट की संख्या 12 रॉकेट (44 सेकंड में) 12 रॉकेट

मोबिलिटी हल्के ट्रकों पर तैनात ट्रक आधारित

सटीकता उच्च (गाइडेड तकनीक) कम (गाइडेड नहीं)

भविष्य में 120-200 किमी रेंज विकसित हो रहा एआर-3 में 200 किमी रेंज

रक्षा जानकारों के अनुसार गाइडेड पिनाका चीन के पीएचएल-03 की तुलना में अधिक सटीक और प्रभावी है। वहीं पिनाका का हल्का और तेज सिस्टम इस कई इलाकों में तैनाती के लिए बेहतर बनाता है। भविष्य के हिसाब से भारत 200 किमी रेंज वाले संस्करण पर काम कर रहा है, जो चीन के एआर-3 को टक्कर देगा। चीन का पीएचएल-03 रेंज और वजन के मामले में वर्तमान में मजबूत है, लेकिन भारत का पिनाका अपनी सटीकता, तकनीकी उन्नति और निर्यात क्षमता के साथ बेहतर भविष्य का संकेत देता है। ड्रैगन को टक्कर देने के लिए पिनाका का नया संस्करण रणनीतिक बढ़त दिला सकता है।

2 साल में ही कर सकेंगे ग्रेजुएशन

नई दिल्ली(ईएमएस)। अब आपको दो साल में ग्रेजुएशन डिग्री मिल सकती है। यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन ग्रेजुएशन प्रोग्राम को और आसान बनाने की तैयारी में है। यूजीसी चेयरमैन एम.जगदीश कुमार ने कहा कि कोई भी स्टूडेंट अपने सिलेबस का टाइम डयूरेशन घटा-बढ़ा सकेगा। ग्रेजुएशन डिग्री प्रोग्राम जो 3 से 4 साल का होता है, उसे स्टूडेंट्स घटाकर दो-ढाई साल का भी कर सकते हैं। इसके साथ ही कमजोर स्टूडेंट्स अपने ग्रेजुएशन प्रोग्राम का समय बढ़ाकर 5 साल तक कर सकते हैं।

सोने के भाव में पिछले कुछ हफ्तों में 5000 रुपए से ज्यादा की गिरावट आई

मुंबई (ईएमएस)। शेयर बाजार में हाल ही में देखी गई गिरावट के बाद सोने की कीमतों में भी लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। आंकड़ों के अनुसार सोने के भाव में पिछले कुछ हफ्तों में 5000 रुपए से ज्यादा की गिरावट आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी दो-तीन महीनों में सोने के भाव में और भी गिरावट की संभावना है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के भावों में हुई गिरावट के बाद, घरेलू मार्केट में भी यह दस्तक दे रहा है। इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोशिएशन की वेबसाइट के मुताबिक 24 कैरेट फाइन गोल्ड की कीमत प्रति 10 ग्राम में 81,000 रुपए से ज्यादा थी, जो अब 75,000 रुपए पर आ गई है। गिरावट के बाद 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 5000 रुपए से अधिक कम हो गई है। मेकिंग चार्ज के बिना, इसका क्वालिटी के हिसाब से विवरण इस प्रकार हैः

- 24 कैरेटः 75,260 रुपए/10 ग्राम
- 22 कैरेटः 73,450 रुपए/10 ग्राम
- 20 कैरेटः 66,980 रुपए/10 ग्राम
- 18 कैरेटः 60,960 रुपए/10 ग्राम

सोने के भाव में गिरावट के बाद मार्केट में चार्ज के अलावा अन्य बदलावों की जांच करना जरूरी है। इस विषय पर विशेषज्ञों द्वारा और अधिक गहराई से अध्ययन किया जा रहा है। यहां तक कि किसी नये नीति या घटना के बाद और भी परिणाम आ सकते हैं।

एक महीने में खाद्य तेल के दाम 8 फीसदी बढ़े

- सब्जियों की कीमतें में भी बढ़ोतरी हुई

मुंबई (ईएमएस)। तेल के दाम फिर से बढ़ गए हैं, जिससे लोगों की रोज़मर्रा की जिंदगी पर भारी पड़ा है। प्याज, टमाटर और लहसुन के बाद अब तेल की कीमतों में भी वृद्धि हुई है। खाद्य तेल के दाम एक महीने में 8 फीसदी तक बढ़ गए हैं। इसके अलावा सब्जियों की कीमतें में भी बढ़ोतरी हो गई हैं। खुदरा महंगाई अक्तूबर में लगातार उच्च स्तर पर रही है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार मूंगफली तेल का दाम 14 अक्तूबर को 193.58 रुपये था, जो अब 195.59 रुपये हो गया है। सरसो तेल, वनस्पति तेल, सोया तेल, सूरजमुखी तेल, और पाम तेल की कीमतें सभी में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही चाय की कीमतें भी तीन फीसदी तक बढ़ गई हैं। सब्जियों की कीमतें भी बहुत महंगी हो गई हैं, जहां प्याज 70-80 रुपये, और आलू 30 रुपये किलो है। अनुमानित रूप से नवंबर में सब्जियों के दाम थोड़ी कम हो सकते हैं, लेकिन प्याज की कीमतें अभी भी ऊंची रहेंगी। इससे सब्जी के दाम नवंबर महीने में स्थिर हो सकते हैं, लेकिन उनका वार्षिक औसत अभी भी ऊंचा है। आलू, टमाटर, और प्याज में वृद्धि के बाद, अब तेल और चाय महंगा हो गया है। इस स्थिति में, लोग किफायती रूटीन की तलाश में हैं जिससे उनकी रोज़मर्रा की जिंदगी पर आसानी आए।

हत्या कर लाश कर दी गायब, पत्नी का जींस-टॉप पहन लोगों को करता रहा कंफ्यूज

-दस साल बाद भी पुलिस ढूंढ रही महिला की लाश, आरोपी काट रहा जेल

यॉर्कशायर,(ईएमएस)। नॉर्थ यॉर्कशायर में दस साल पहले एक कत्ल हुआ था, जो अब भी एक रहस्य बना हुआ है।

यह घटना रानिया अलयेद की जिसे उसके पति अहमद अल-खतीब ने इसलिए उसकी हत्या कर दी थी कि वह पश्चिमी जीवनशैली अपना रही थी और आधुनिक तरीके से जीवन जीने लगी थी। खतीब को अपनी पत्नी का जींस-टॉप पहनना पसंद नहीं था। उसने एक खौफनाक कदम उठाते हुए अपनी पत्नी को मार डाला, लेकिन लाश को कहां छिपाया कि आज भी पुलिस उसकी पत्नी की लाश का पता नहीं लगा पाई है।

रानिया जो पहले अपने परिवार के साथ खुश थी, अपने पति के व्यवहार से परेशान होकर 2013 में अलग रहने लगी थी। इसके बाद उसने कॉलेज में दाखिला लिया और नए दोस्त बनाए जहां उसकी मुलाकात एक ऐसे इंसान से हुई और वह उसके साथ रहने लगी लेकिन खतीब इसे सहन नहीं कर पाया और जून 2013 में उसे मिलने के बहाने बुलाया और की हत्या कर दी।

खतीब ने अपनी पत्नी की लाश को सूटकेस में भरकर घर में छिपा दिया और ऐसा दिखाने की कोशिश की जैसे रानिया अभी जिंदा हो। उसने उसकी जींस, टॉप और शॉल पहनकर सीसीटीवी कैमरे के सामने से गुजरा ताकि लोग यह न समझें कि कुछ गलत हुआ है। बाद में उसने अपने भाइयों की मदद से लाश को मीलों दूर एक सुनसान जगह पर सड़क के किनारे दफना दिया। रानिया के दोस्तों को जब उसके फोन कॉल और संदेशों का जवाब नहीं मिला, तो उन्हें शक हुआ। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जांच शुरू की और जुलाई 2013 में खतीब को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद खतीब ने अपना गुनाह कुबूल लिया, लेकिन रानिया की लाश का पता आज तक नहीं चल सका है। खतीब ने कत्ल को जिन्न की गिरफ्त में होने के कारण बताया था, लेकिन पुलिस की जांच से यह मामला ऑनर किलिंग का निकला। खतीब को हत्या का दोषी मनाते हुए 20 साल की सजा सुनाई गई, जबकि उसके दो भाइयों को भी सजा मिली।

अब 10 साल बाद ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने नॉर्थ यॉर्कशायर के थिर्स्क में ए19 रोड के किनारे खुदाई शुरू की है। पुलिस को कुछ सुराग मिले हैं, जिनके आधार पर उनका मानना है कि खतीब ने रानिया की लाश यहीं पर दफनाई होगी। यह एक ऐसा मामला है जो पुलिस के लिए अब भी पहेली बना हुआ है और अब यह देखना बाकी है कि क्या नया सुराग मिलने से रानिया की लाश का पता चल पाएगा या नहीं या फिर यह रानिया की लाश एक रहस्य बनकर रह जाएगी।

बांग्लादेश में इॅस्कान पर प्रतिबंध की मांग, लेखिका तस्लीमा नसरीन ने युनूस सरकार को घेरा

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में शेख हसीना के शासन के बाद से सांप्रदायिक तनाव बढ़ा हुआ है, और कट्टरपंथी समूहों ने खासकर हिंदू अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाया है। इस संदर्भ में एक नया विवाद सामने आया है, जिसमें चटगांव स्थित इस्लामी संगठन हेफाजत-ए-इस्लाम ने इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। इस विवाद की शुरुआत 5 नवंबर को हुई, जब एक लोकल व्यापारी ने इस्कॉन को एक आतंकी संगठन करार दिया। इसके बाद चटगांव के हजारी गली इलाके में हिंदू समुदाय के लोगों में गुस्सा भड़क गया, और उन्होंने उस व्यापारी के घर के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और बाद में 100 संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया।

लेखिका तस्लीमा नसरीन ने घटना पर इस्कॉन के सदस्यों के सामने बढ़ते खतरों का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, हेफाजत-ए-इस्लाम ने आतंकवाद का आह्वान किया है। वे इस्कॉन के सदस्यों को मारने की धमकी दे रहे हैं। क्या इस्कॉन को आतंकी संगठन मानकर बैन किया जाना चाहिए? उन्होंने बताया कि इस्कॉन दुनिया भर में कई देशों में मौजूद है और कभी भी इसतरह के मुद्दों का सामना नहीं करना पड़ा, लेकिन बांग्लादेश में यह समस्या सामने आई है। इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें बांग्लादेशी मुस्लिमों द्वारा इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी जा रही थी। उन्होंने बताया कि यदि इस्कॉन पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया, तब इस्कॉन के भक्तों को पकड़कर मारा जाएगा।

यूरेनियम का विशाल भंडार कनाडा को बना देगा दुनिया का सबसे धनवान देश

ओटावा,(ईएमएस)। जलवायु संकट से निपटने के प्रयासों के बीच, परमाणु ऊर्जा पर बढ़ता वैश्विक जोर कनाडा को न्यूक्लियर एनर्जी सुपरपावर के रूप में उभरने का मौका दे रहा है। कनाडा में विशाल यूरेनियम भंडार, विशेषकर उत्तरी सस्केचेवान के अथाबास्का बेसिन में, इस संभावना को वास्तविकता में बदला जा सकता है। यूरेनियम खनन क्षेत्र में वर्षों से कार्यरत कारोबारी के अनुसार, दुनिया के दृष्टिकोण में हाल के वर्षों में बड़ा बदलाव आया है, जिसके चलते इस साल यूरेनियम की वैश्विक कीमत में 200 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई है।

लेह क्यूरीर नेक्सजेन नामक कंपनी प्रमुख हैं, जो अथाबास्का बेसिन में यूरेनियम खनन के एक बड़े प्रोजेक्ट का नेतृत्व कर रहे हैं। परियोजना की लागत करीब चार अरब डॉलर है, और यह 2028 तक चालू हो सकती है। अगर नियामकों से इसकी मंजूरी मिलती है, तब यह परियोजना कनाडा को यूरेनियम उत्पादन में दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बना सकती है। नेक्सजेन के अलावा, कई अन्य कंपनियां भी इस क्षेत्र में सक्रिय हैं और कई पुरानी खदानों को फिर से खोल रही हैं।

परमाणु ऊर्जा को कम कार्बन उत्सर्जन के कारण प्राकृतिक गैस और कोयले जैसे अन्य ईंधनों की तुलना में पर्यावरण के लिए ठीक मानी गई है। विश्व परमाणु संघ के अनुसार, दुनिया की कुल बिजली का लगभग 10 प्रतिशत परमाणु स्त्रोतों से आता है, जबकि 50 प्रतिशत से अधिक उत्पादन कोयले और गैस से होता है। कोप28 जलवायु सम्मेलन में दो दर्जन देशों ने 2050 तक अपने परमाणु ऊर्जा उत्पादन को तीन गुना बढ़ाने का संकल्प लिया है। इसके बाद परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में कनाडा का योगदान आने वाले समय में और अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है।

कनाडा के यूरेनियम की गुणवत्ता

रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा के यूरेनियम का गुणवत्ता स्तर बहुत ऊंचा है। कनाडा की सरकार ने इस यूरेनियम का निर्यात केवल परमाणु ऊर्जा उत्पादन के लिए किया है, जिससे इसका उपयोग केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए सुनिश्चित होता है। यह देश न केवल खनन बल्कि यूरेनियम के विनिर्माण चरण तक के लिए सभी संसाधनों से संपन्न है, जिसके कारण इसे टियर-वन परमाणु राष्ट्र भी कहा जाता है। विश्व परमाणु संघ के मुताबिक, कनाडा वर्तमान में वैश्विक यूरेनियम उत्पादन में करीब 13 प्रतिशत का योगदान देता है और यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक है। नेक्सजेन के प्रोजेक्ट से यह योगदान 25 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है, जिससे कनाडा वैश्विक यूरेनियम उत्पादन में एक महत्वपूर्ण शक्ति बन सकता है।

आरबीआई आंकड़ेः 1 नवंबर को समाप्त पखवाड़े में उधारी और जमा वृद्धि लगभग समान

- उधारी और जमा दोनों ही 11.9 प्रतिशत की दर से बढ़ी

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में जारी किए गए ताजे आंकड़े द्वारा बताया गया है कि 1 नवंबर को समाप्त हुए पखवाड़े में उधारी और जमा की वृद्धि लगभग समान रही। इस दौरान उधारी और जमा दोनों ही 11.9 प्रतिशत की दर से बढ़ी हैं। यह स्थिति पिछले 30 महीनों में पहली बार आई है, जब उधारी और जमा की वृद्धि समान रही है। पिछले पखवाड़े की तुलना में, जिसमें जमा वृद्धि उधारी से अधिक थी, 18 अक्टूबर को समाप्त हुए पखवाड़े में इस स्थिति में पलटाव देखने को मिला। इसमें उधारी वृद्धि 11.5 प्रतिशत रही, जबकि जमा वृद्धि 11.7 प्रतिशत थी। यह बदलाव उस समय के बाद आया, जब आरबीआई ने बैंकों को उधारी और जमा अनुपात को कम करने के लिए निर्देशित किया था। विशेषज्ञों का मानना है कि आगे चलकर उधारी की वृद्धि जमा से अधिक रह सकती है, खासकर चौथी तिमाही में। यह आमतौर पर उधारी की सबसे सक्रिय अवधि होती है। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक जैसे बड़े निजी बैंक ने भी अपनी उधारी वृद्धि को धीमा किया है ताकि वह अपने उधारी और जमा अनुपात को कम कर सके।

ट्रंप के एक बयान से महिलाओं में भय व्याप्त

-गर्भनिरोधक साधनों की बढ़ रही है मांग

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत के बाद महिलाओं में बर्थ कंट्रोल पिल यानी गर्भनिरोधक दवाओं की मांग बढ़ी हैं। इसके अलावा इमरजेंसी कॉन्ट्रासेप्शन (आपातकालीन गर्भनिरोधक) दवाओं की मांग भी तेजी से बढ़ रही है। वजह ये है कि साल 2022 में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने अबोर्शन राइट्स को खत्म कर दिया था। उस समय ट्रम्प ने इस फैसले का समर्थन किया था। अब महिलाओं को इस बात का डर है कि ट्रम्प सरकार के आने से उनके अबॉर्शन राइट्स पर असर पड़ सकता है। यही वजह है कि अचानक 600 प्रतिशत गर्भनिरोधक दवाओं की मांग बढ़ गई है।

हालांकि बाद में सोशल मीडिया पर ट्रंप ने स्पष्ट किया था कि उनका कभी भी अबोर्शन राइट्स और अन्य गर्भ निरोधकों को प्रतिबंधित करने का इरादा नहीं रहा। लेकिन यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ट्रंप के इस कार्यकाल में गर्भनिरोधक उपायों को लेकर किस प्रकार के नियम बनाए जाएंगे, लेकिन महिलाओं में आशंका बनी हुई है। चुनाव के बाद एक सर्वे में यह पाया गया कि 50 प्रतिशत से अधिक महिलाएं इस बात को लेकर चिंतित हैं कि उन्हें सुरक्षित गर्भपात और उससे जुड़ी स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिलेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं उन राज्यों में जाने पर विचार कर रही है जहां अबॉर्शन से जुड़े कानून आसान है। इसके तहत उन्हें आसानी से अबॉर्शन से जुड़ी सेवाएं मिल सकती हैं। डयूक विश्वविद्यालय के ओबी-जीवाईएन डॉ. क्लेटन अल्फोंसो ने बताया कि चुनाव के तुरंत बाद, उन्होंने अपने दो रोगियों से आईयूडी (गर्भ निरोधक उपकरण) बदलने के अनुरोध प्राप्त किए और कुछ महिलाओं ने अपनी टयूब बंधवाने के लिए भी पूछताछ की। चुनाव के बाद गर्भ निरोधक साधनों की मांग बढ़ गई है। एक आपातकालीन गर्भनिरोधक कंपनी ने बताया कि ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के 60 घंटों के भीतर उनकी बिक्री में 966 प्रतिशत की वृद्धि हुई। महिलाओं की बढ़ती चिंताओं का एक कारण यह है कि ट्रंप पर गर्भपात विरोधी समर्थक गर्भनिरोधक विकल्पों पर प्रतिबंध लगाने का दबाव डाल रहे हैं।

ट्रम्प ने तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की इच्छा जताई

- लोगों से समर्थन मांगा, इसके लिए बदलना होगा अमेरिकी संविधान

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तीसरी बार भी राष्ट्रपति बनने की इच्छा जताई है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बुधवार को राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात के पहले वाशिंगटन डीसी के एक होटल में यह बयान दिया। उनके बयान पर समर्थकों ने खुशी जाहिर की। ट्रम्प ने अमेरिकी संसद के निचले सदन के सदस्यों से कहा कि मुझे लगता है कि मैं फिर से राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नहीं लड़ूंगा। लेकिन आप अगर ऐसा चाहें हैं तो मैं ऐसा सोच सकता हूं।

अमेरिका में दो बार राष्ट्रपति बनने का प्रावधान है। ट्रम्प दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए हैं। इससे पहले वह 2017 से 2021 तक राष्ट्रपति रह चुके हैं। अगर ट्रम्प तीसरी बार राष्ट्रपति बनने की कोशिश करते हैं तो इसके लिए उन्हें संविधान में संशोधन करना होगा। इसके लिए अमेरिकी संसद और राज्यों से समर्थन की जरूरत होगी।

73 साल पहले 2 बार राष्ट्रपति बनने का नियम बना

अमेरिका में पहले किसी व्यक्ति के सिर्फ 2 ही बार राष्ट्रपति बनने को लेकर कोई प्रावधान नहीं था। 1951 में संविधान में 22 संशोधन किया गया। इसके तहत ये नियम बनाया गया कि अमेरिका में कोई शख्स सिर्फ 2 बार ही राष्ट्रपति बन सकता है। दरअसल, अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन ने दो टर्म के बाद रिटायरमेंट ले लिया था। उसके बाद से राष्ट्रपति के दो टर्म से ज्यादा सेवाएं न देने का अनौपचारिक नियम ही बन गया। इसके बाद अमेरिका में यह प्रथा बन गई। 31 अमेरिकी राष्ट्रपतियों में से किसी भी राष्ट्रपति ने इस प्रथा को नहीं तोड़ा, लेकिन फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट के दौर में यह नियम टूट गया। वे 1933 से 1945 चार बार राष्ट्रपति चुनकर आए। इसके बाद 1946 के राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की वापसी हुई। 1947 में केंद्रीय सरकार में प्रशासनिक परिवर्तन के लिए हूवर कमीशन का गठन हुआ। इसी कमीशन की सिफारिश के बाद 22वें संशोधन के जरिए दो टर्म से ज्यादा राष्ट्रपति नहीं बनने का कानून बना दिया गया।

क्या ट्रम्प संविधान बदल सकते हैं

ट्रम्प को तीसरी बार अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव के लिए उतरना है तो उन्हें अमेरिकी संविधान में बदलाव करना होगा जोकि इतना आसान नहीं है। ट्रम्प को इसके लिए अमेरिकी सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव दोनों में दो-तिहाई बहुमत से एक बिल पास कराना होगा। ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के पास दोनों सदनों में इतने सदस्य नहीं हैं। सीनेट में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी के पास 100 में से 52 सीनेटर है। वहीं हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में 435 में से 220 सदस्य हैं। ये संविधान संशोधन के लिए आवश्यक दो तिहाई यानी 67 प्रतिशत बहुमत से काफी कम है। अगर ट्रम्प ये बहुमत हासिल कर लेते हैं तब भी उनके लिए संविधान में संशोधन करना इतना आसान नहीं होगा। अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों से बिल पास होने के बाद इस संशोधन के लिए राज्यों से मंजूरी लेनी होती है। इसके लिए तीन चौथाई राज्यों का बहुमत मिलन के बाद ही संविधान में संशोधन हो सकता है। यानी 50 अमेरिकी राज्यों में से अगर 38 संविधान में बदलाव के लिए राजी हो जाए तो ही नियम बदल सकते हैं। हालांकि डोनाल्ड ट्रम्प के तीसरी बार राष्ट्रपति बनने वाले बयान को रिपब्लिकन पार्टी ने खारिज कर दिया है।

आज आदिजाति विकास में गुजरात अग्रसर है, जिसका श्रेय पीएम मोदी को जाता है:मुख्यमंत्री

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से कुल 102.87 करोड़ रुपए के लगभग 37 विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास तथा लगभग 548 लाभार्थियों को अनुमानित 234 करोड़ रुपए के योजनागत लाभों के वितरण के साथ शुक्रवार को डांग जिला मुख्यालय आहवा में राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। आदिजाति बहुल डांग के आंगन में आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व तथा मार्गदर्शन में इस वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की डेढ़ सौवीं जयंती देशभर में मनाई जा रही होने की भूमिका दी। भूपेंद्र पटेल ने महान धर्म योद्धा, समाज सेवक तथा स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा को उनकी जयंती पर हृदयपूर्वक वंदन करते हुए उपस्थित सभी लोगों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के अग्रिम आदिवासी योद्धा बिरसा मुंडा के बचपन तथा उनकी महान गाथा का वर्णन कर भगवान बिरसा मुंडा की महात्मा बनने तक की उनकी यात्रा की गौरवपूर्ण झाँकी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले आदिवासी समुदाय स्वतंत्रता के बाद दशकों तक विकास से वंचित रहे थे।

आज आदिजाति विकास में गुजरात अग्रसर है, जिसका श्रेय भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पीएम मोदी द्वारा गुजरात की शासन धुरा संभाले जाने के बाद आदिजाति क्षेत्र एवं समुदाय के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए कार्यों के फलस्वरूप आदिवासियों में आए सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक परिवर्तन का विस्तार से विवरण दिया। उन्होंने कहा कि हम पीएम मोदी के नेतृत्व में गुजरात के आदिजाति परिवारों को विकास के पथ पर ले जाने तथा उनके गौरव-सम्मान के लिए अग्रसर रहे हैं। पटेल ने जोड़ा कि पीएम मोदी ने देश और दुनिया को बताया है कि नीति नेक हो, नीयित साफ हो एवं विकास की मुख्य धारा में सबको साथ लेकर चलने की प्रतिबद्धता हो, तो वनबंधुओं का कैसा विकास होता है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि वर्ष 2007 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वनबंधु कल्याण योजना की शुरुआत करवा कर आदिजाति समुदाय के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केन्द्रित किया था। उन्होंने कहा कि दस सूत्र आधारित इस योजना अंतर्गत रोड कनेक्टिविटी, स्थानीय स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री ने गौरवपूर्वक कहा कि वनबंधु कल्याण योजना से बेटियों की शिक्षा का स्तर सुधरा है तथा आदिजाति समुदाय में साक्षरता की दर बढ़ी है। उन्होंने कहा कि अब आदिजाति क्षेत्र में इंजीनियरिंग एवं मेडिकल कॉलेज सहित उच्च शिक्षा की सुविधाएँ मिल रही हैं। वलसाड, दाहोद, बनासकाँठा, गोधरा (पंचमहाल) सहित आठ मेडिकल कॉलेज आदिजाति क्षेत्रों में हैं। उन्होंने कहा कि मोदी के विजनरी नेतृत्व में वनबंधु कल्याण योजना को मिली सफलता के चलते गुजरात सरकार ने वनबंधु कल्याण योजना 2.0 लागू की है, जिसके तहत बजट में कुल 22 हजार करोड़ रुपए से अधिक राशि का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि आदिजाति क्षेत्र के विकास कार्य धनाभाव में कभी अवरूद्ध नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि आदिजाति के सर्वग्राही विकास के कार्यों से वनबंधु को विश्वबंधु बनाने का पीएम मोदी का लक्ष्य है। भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि पीएम मोदी विकास की राजनीति का नया युग शुरू किया है और आहवा से आसाम (असम) तथा झालोद से झारखंड तक आदिजाति समुदाय सहित सभी जाति-समुदाय के लोगों को विकास की मुख्य धारा में आने का अवसर मिला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय सशक्तिकरण के माध्यम से विकसित भारत का संकल्प साकार होगा। उन्होंने सभी का आह्वान किया कि वे विकसित गुजरात से विकसित भारत बनाने के लिए कटिबद्ध हों। भूपेंद्र पटेल ने जोड़ा कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत देश के 63 हजार से अधिक आदिवासी गाँवों के पाँच करोड़ से अधिक वनबंधुओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य है। पहली बार ऐसी कल्याणकारी योजना अंतर्गत शत प्रतिशत जनजातीय समुदाय को लाने का लक्ष्य इस अभियान में रखा गया है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने पीएम जन मन योजना में आदिम समूह के परिवारों को विकास की मुख्य धारा में लाने का लक्ष्य रखा है। गुजरात में आदिम समूह के 30 हजार परिवारों के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, सड़क-मार्ग तथा बिजली की सुविधा दी गई है।

आहवा के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित महानुभावों ने आदिजाति समाज के आस्था केंद्र शबरी धाम में शबरी तथा प्रभु श्री राम एवं भ्राता श्री लक्ष्मण के भावपूर्वक दर्शन किए तथा पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर विभिन्न आदिजाति कल्याण योजनाओं के लाभार्थियों को विभिन्न योजनागत लाभों का वितरण भी किया गया। प्रधानमंत्री की प्रेरक उपस्थिति में बिहार स्थित जमुई में आयोजित राष्ट्री स्तर के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी आहवा में सभी ने दृश्य-श्राव्य माध्यम से देखा। मुख्यमंत्री व महानुभावों ने वलसाड-डांग के सांसद धवलभाई पटेल द्वारा लिखित मोदी विद ट्राइबल्स पुस्तक का अनावरण किया। जिला प्रशासन द्वारा तैयार किए गए विकास रथ को भी महानुभावों ने प्रस्थान कराया। कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित योजना संबंधी प्रदर्शनी व निदर्शन स्टॉल्स के निरीक्षण के उपलब्ध अवसर का लाभ लोगों ने उठाया। योजनाओं के लाभार्थियों ने मंच से अपनी साफल्य गाथा प्रस्तुत की।

गुजरात के समुद्री इलाके से एक बार फिर करोड़ों का ड्रग्स बरामद 8 ईरानी नागरिक गिरफ्तार

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के समुद्री इलाके में नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), भारतीय नौसेना और गुजरात एन्टी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) के संयुक्त अभियान में फिर एक बार ड्रग्स की बड़ी खेप पकड़ी गई है। सुरक्षा एजेंसियों ने भारतीय समुद्री सीमा में लगभग 700 किलोग्राम मेथ ड्रग्स की एक खेप पकड़ी। इस कार्रवाई के दौरान 8 विदेशी नागरिकों को भी गिरफ्तार किया गया है, जो खुद को ईरानी बता रहे हैं। बरामद ड्रग्स की कीमत करीब 2000 करोड़ रुपये है। दरअसल पिछले कई दिनों से नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो सागर मंथन के नाम से एक ऑपरेशन चला रहा है। यह ऑपरेशन खासतौर पर भारत में ड्रग तस्करी के खिलाफ चलाया जा रहा है। इससे पहले भी नारकोटिक्स टीम ऑपरेशन सागर मंथन में कई किलो ड्रग्स बरामद कर चुकी है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के मुताबिक इस ऑपरेशन का मकसद समुद्र के रास्ते नशीली दवाओं की तस्करी पर अंकुश लगाना है। इस बीच एनसीबी के मुताबिक पुख्ता जानकारी मिली थी कि एक अपंजीकृत जहाज है, जिसमें एआईएस (ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम) भी नहीं है, वह भारतीय जलक्षेत्र में नशीले पदार्थ लेकर रहा है। इस इनपुट के आधार पर सागर-मंथन-4 नाम से एक ऑपरेशन लॉन्च किया गया। जहाज को भारतीय नौसेना ने अपने समुद्री खोज अभियान के माध्यम से घेर लिया था। यह ऑपरेशन 15 नवंबर 2024 को किया गया। इस मामले में विदेशी नारकोटिक्स एजेंसियों की भी मदद ली जा रही है ताकि इस ड्रग सिंडिकेट के आगे-पीछे के लिंक का पता लगाया जा सके। ऑपरेशन सागर-मंथन इस साल की शुरुआत में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा शुरू किया गया था। इसके तहत भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात पुलिस के एटीएस के सहयोग से कई समुद्री तलाशी अभियान चलाए गए हैं। इस ऑपरेशन में अब तक लगभग 3400 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं और 11 ईरानी और 14 पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है।

गुजरात में धीरे धीरे बढ़ रही है ठंड, राज्य के 9 शहरों का तापमान 20 डिग्री से नीचे पहुंचा

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में अब धीरे-धीरे ठंड बढ़ती जा रही है। गुरुवार को दीव समेत राज्य के नौ शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। ठंड का सबसे ज्यादा असर सौराष्ट्र में देखने को मिल रहा है। जूनागढ़ के केशोद में सबसे कम तापमान 17.5 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि अमरेली में न्यूनतम तापमान 17.8 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं वडोदरा में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री और महुवा में 18.1 डिग्री दर्ज किया गया। दीव में न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री और नलिया में 18.4 डिग्री दर्ज किया गया। राजकोट में 19.1 डिग्री, पोरबंदर में 19.3 डिग्री, डीसा में 19.6 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि गुजरात की राजधानी गांधीनगर में न्यूनतम तापमान 19.8 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं अहमदाबाद में न्यूनतम तापमान 20.8 दर्ज किया गया। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक आज से अहमदाबाद में ठंड का प्रकोप बढ़ सकता है और अगले पांच दिनों तक अहमदाबाद में न्यूनतम तापमान 16 से 18 तक पहुंचने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने गुरु नानक जयंती पर अहमदाबाद में गुरुद्वारा गोविंद धाम में दर्शन-कीर्तन किया

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल शुक्रवार को गुरु नानक देव की 555वीं जयंती के अवसर पर अहमदाबाद में थलतेज स्थित गुरुद्वारा गोविंद धाम पहुँचे। भूपेन्द्र पटेल ने गुरुद्वारे में गुरु ग्रंथ साहब के भक्तिभावपूर्वक दर्शन किए। मुख्यमंत्री इस अवसर पर कीर्तिन में भी सहभागी हुए। गुरु नानक जयंती पर गुरुद्वारे में अहमदाबाद के सिख परिवार श्रद्धापूर्वक उमड़े।

बोपल में प्रियांशु हत्याकांड के बाद एक और हत्या, गोधावी-मणिपुर रोड पर NRI की सिर पर पत्थर मारकर निर्मम हत्या

अहमदाबाद,15 नवंबर

कुछ दिन पहले बोपल, अहमदाबाद में हुई एमआईसीए छात्र प्रियांशु जैन की हत्या की जांच अभी भी जारी है. फिर भोपाल के थाना क्षेत्र में एक और हाईप्रोफाइल हत्या का मामला सामने आया है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में रहने वाले एनआरआई दीपकभाई पटेल की गोधावी-मणिपुर रोड पर गरोदिया गांव के पास सिर पर पत्थर मारकर हत्या कर दी गई। मृतक दीपकभाई पिछले कई महीनों से अमेरिका में थे, तब भी वे लगातार मानसिक दबाव में थे. इसलिए, इस संभावना के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है कि अहमदाबाद में उसके किसी परिचित ने निजी दुश्मनी में उसकी हत्या कर दी है. चूंकि मृतक दीपकभाई पटेल भारत आकर जमीन की बिक्री का काम कर रहे थे, इसलिए इस बात की प्रबल संभावना है कि किसी ने इसी मामले में उनकी हत्या कर दी है.

सरखेज गांव के मुखी स्ट्रीट पर रहने वाली 56 वर्षीय एनआरआई अल्पाबेन पटेल द्वारा दर्ज की गई शिकायत का विवरण यह है कि वह अपने पति दीपकभाई पटेल के साथ अमेरिका के कैलिफोर्निया में रहती हैं। अल्पाबेन और दीपकभाई दो महीने पहले नवरात्रि और दिवाली त्योहार के लिए अमेरिका से अहमदाबाद आए थे और सरखेज में मुखी स्ट्रीट पर एक बंगले में रह रहे थे।

गुरुवार रात 12 बजे दीपकभाई कार ठीक से पार्क करने का कहकर निकले। कुछ मिनटों के बाद, उन्होंने अल्पाबेन को फोन किया और कहा, 'मैं एक व्यक्ति से मिलूंगा और एक घंटे में लौटूंगा।' लेकिन, जब अल्पाबान को फोन किया गया तो वह देर रात तक नहीं लौटा और उसने फोन भी नहीं उठाया.

इसलिए उन्होंने अमेरिका में रहने वाले अपने बेटे जिगर और गांधीनगर में रहने वाली अपनी बेटी को सूचित किया, जब उन्होंने आईफोन ट्रैकिंग सिस्टम से जांच की, तो मोबाइल फोन की लोकेशन गोधावी-मणिपुर रोड पर गरोदिया गांव की थी। ऐसे में शुक्रवार सुबह जब अल्पाबेन और उनके बहनोई खोजबीन करने गए तो दीपकभाई का शव मिला। उसके सिर पर किसी कुंद वस्तु से वार कर हत्या की गई थी.

इसकी सूचना भोपाल पुलिस को दी गई, पुलिस निरीक्षक बी.टी. गोहिल और उनका स्टाफ मौके पर पहुंचा. एक अलग टीम बनाई गई और सीसीटीवी फुटेज और अन्य कॉल डिटेल रिकॉर्ड के आधार पर जांच शुरू की गई। इस बारे में अहमदाबाद जिला पुलिस प्रमुख ओम प्रकाश जाट ने कहा, 'मृतक दीपकभाई पटेल अहमदाबाद आकर जमीन खरीदने और बेचने का काम करते थे और इसलिए संभावना है कि जमीन के मुद्दे पर किसी ने उनकी हत्या कर दी.'

अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस प्रमुख ओम प्रकाश जाट ने कहा, 'इस मामले में आरोपी तक पहुंचने में सफलता मिल गई है और पुलिस टीम उसे पकड़ने के लिए काम कर रही है. शनिवार सुबह आरोपी को लाने के बाद उसकी पहचान, हत्या के पीछे का मकसद और अन्य बातें स्पष्ट हो जाएंगी।'

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल आज मुंबई में 4 चुनावी सभा करेंगे

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल कल यानी शनिवार को महाराष्ट्र के चुनावी दौरे पर जाएंगे। भूपेन्द्र पटेल एक ही दिन में महाराष्ट्र के मुंबई चार चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल शनिवार की सुबह 10 बजे दहिसर विधानसभा क्षेत्र में गुजराती बिजनेस कम्युनिटी के साथ ''चाय पे चर्चा'' में सहभागी होकर मुंबई में अपने चुनाव प्रचार का आगाज करेंगे। जिसके बाद मुख्यमंत्री का बांद्रा कुर्ला भारत डायमंड बुर्स में जेम्स एंड ज्वैलरी काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्यों के साथ बातचीत करने का भी कार्यक्रम है। इसके बाद मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल दोपहर में जोगेश्वरी पश्चिम स्थित गुजरात भवन में ग्रेटर मुंबई गुजराती समाज द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक बैठक में भाग लेंगे। इस सार्वजनिक बैठक में मुंबई महानगर के 140 से ज्यादा गुजराती सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होने वाले हैं। भूपेन्द्र पटेल शनिवार शाम को मुंबई में वर्सोवा विधानसभा सीट के उम्मीदवार के समर्थन में महाडा ग्राउंड, ओशिवारा मेट्रो स्टेशन जोगेश्वरी पश्चिम में आयोजित रैली को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह अंधेरी विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार के समर्थन में रैली को संबोधित करेंगे। अंधेरी की चुनाव खत्म होने के बाद के बाद मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल घाटकोपर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार के समर्थन में पुलिस हॉकी ग्राउंड में जनसभा को संबोधित करने वाले हैं। आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए व्यस्त अभियान के तहत एक ही दिन में चार सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करने के बाद मुख्यमंत्री शनिवार देर रात गांधीनगर लौटेंगे।

मोडासा के निकट ब्रिज से कार गिरने की घटना में एक ही परिवार के4लोगों की मौत

अरवल्ली (ईएमएस) मोडासा के निकट अहमदाबाद-उदयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक बच्ची, एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं। टिंटोई पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक शामलाजी मंदिर से दर्शन कर लौट रहा परिवार मोडासा में गळादर के पास नेशनल हाईवे पर एक पुल पर भीषण दुर्घटना का शिकार हो गया। परिवार की कार पुल से नीचे गिर गई। इस हादसे में गंभीर चोट लगने से कार में सवार परिवार के 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक महिला, दो पुरुष और एक बच्ची शामिल हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद टिंटोई पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शवों को आगे की कार्रवाई के लिए शामलाजी सिविल अस्पताल भेज दिया। हालांकि, हादसे के पीछे की सही वजह अभी तक पता नहीं चल पाई है। लेकिन, दिवाली के दिन एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत से परिवार पर गहरा शोक छा गया है।

सोमनाथ के कार्तिकी पूर्णिमा मेले का 9 लाख लोगों ने आनंद उठाया

वेरावल,15 नवंबर

कार्तिकी पूर्णिमा का पांच दिवसीय लोक मेला आज सोमनाथ में संपन्न हुआ। पांच दिनों में 9 लाख से ज्यादा लोगों ने लोक मेले का लुत्फ उठाया. आज कार्तिकी पूर्णिमा की रात सोमनाथ मंदिर में विशेष महापूजा और महाआरती का आयोजन किया गया. रात एक बजे तक मंदिर दर्शनार्थियों के लिए खुला रहा। 5 दिवसीय पारंपरिक लोक मेला संपन्नः पूर्णिमा पर आधी रात को सोमनाथ मंदिर में विशेष महापूजा और महाआरती का आयोजन किया गया।

सोमनाथ में कार्तिक पूर्णिमा मेला संपन्न हुआ। मेले के पांच दिनों के दौरान 9 लाख से ज्यादा लोगों ने मेला देखा. मेले का मुख्य आकर्षण 200 से अधिक प्रकार के भोजन और पेय परोसने वाला एक खाद्य बाजार, सरकार के सूचकांक-सी विभाग के हस्तशिल्प और ललित कला की एक प्रदर्शनी और बाजार, जेल के कैदियों द्वारा बनाई गई स्वादिष्ट भजिया, युवाओं के लिए 500 से अधिक सवारी हैं।

पाटन-मेहसाणा में 4.2 तीव्रता का भूकंप, उत्तरी गुजरात-सौराष्ट्र के कई इलाकों में 10 सेकंड तक महसूस किए गए झटके

पाटन,15 नवंबर

पाटन-मेहसाणा में 4.2 तीव्रता का भूकंप, उत्तरी गुजरात-सौराष्ट्र के कई इलाकों में झटके, 10 सेकंड तक झटके महसूस किए गए

आज 15 नवंबर 2024 रात करीब 10:15 बजे पाटन में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया. इसका केंद्र पाटन से 13 किमी उत्तर में दर्ज किया गया. जिसकी जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने दी है. इस भूकंप के झटके पूरे उत्तरी गुजरात, सौराष्ट्र-कच्छ के कुछ हिस्सों और माउंट आबू तक महसूस किए गए। लोगों के मुताबिक भूकंप 10 सेकंड तक महसूस किया गया.

जिसमें मेहसाणा, बनासकांठा, साबरकांठा, अंबाजी, डिसा, खेरालू, पालनपुर, प्रांतिज, तलोद, ईडर, वडाली, बहुचराजी, सतलासाना, हारिज, सामी समेत कई इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। मोरबी और सुरेंद्रनगर में भी झटके महसूस किए गए. हलवद के कोइबा, धवाना, मालनियाद और आसपास के इलाकों में भी भूकंप आया. कच्छ के रापर तालुका के छोटे से रेगिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए. जिसमें आडेसर, नंदा सहित गांवों में भूकंप का झटका महसूस किया गया है. भूकंप के झटके गांधीनगर और अहमदाबाद के इलाकों में भी महसूस किए गए.

जानकारी के मुताबिक भूकंप से कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है. भूकंप का झटका महसूस होते ही लोग घर से बाहर निकल आये. कुछ इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किये गये. भूकंप के झटके महसूस किये गये. आज रात आए भूकंप से करीब पांच सेकेंड तक धरती हिली। चाईबासा के चक्रधरपुर में भी भूकंप के डर से लोग घर छोड़कर चले गये.पाटन-मेहसाणा में 4.2 तीव्रता का भूकंप, उत्तरी गुजरात-सौराष्ट्र के कई इलाकों में झटके, 10 सेकंड तक झटके महसूस किए गए

ख्याति अस्पताल कांड के बाद हरकत में प्रशासन, 4 होस्पिटलों पर लगाया 5 गुना जुर्माना

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के ख्याति हॉस्पिटल के कांड के बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। मेहसाणा में पीएमजेएवाई कार्ड वाले मरीजों से रिपोर्ट सहित पैसे लेने वाले 4 अस्पतालों से 5 गुना जुर्माना वसूला जाएगा। साथ ही स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों से मरीजों को उनके पैसे वापस करवा दिए हैं। इसके अलावा 15 अस्पतालों को नोटिस भी जारी किया गया है। बता दें कि अहमदाबाद के एसजी हाईवे स्थित ख्याति अस्पताल में एंजियोप्लास्टी के बाद दो मरीजों की मौत हो गई थी। जांच में पता चला कि जिनकी एंजियोप्लास्टी की गई थी, उन्हें इसकी जरूरत नहीं थी।

इसके बावजूद अस्पताल ने अपने आर्थिक फायदे के लिए मरीज या उनके परिजनों से बगैर अनुमति लिए मरीजों को स्टेंट लगा दिए। जिससे दो मरीजों की मौत हो गई थी। ख्याति अस्पताल कांड के बाद हरकत में आए स्वास्थ्य विभाग विभिन्न जिलों में सिस्टम कार्यवाही कर रहा है।

इसके अंतर्गत मेहसाणा के 4 अस्पतालों से 5 गुना जुर्माना वसूलेगा। जानकारी अनुसार मेहसाणा के कुछ अस्पताल पीएमजेएवाई कार्ड वाले मरीजों से रुपये वसूल रहे थे। इस बारे में जानने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने मेहसाणा में लायंस और शंकुज, कड़ी में भाग्योदय और विसनगर में नूतन अस्पताल के मरीजों को पैसे वापस करवा दिए हैं। अब स्वास्थ्य विभाग इन 4 अस्पतालों से 5 गुना जुर्माना वसूल करेगा। खबर है कि स्वास्थ्य विभाग सभी अस्पतालों से मरीज से ली गई रकम का 5 गुना जुर्माना वसूलेगा। इसके साथ ही 15 अन्य अस्पतालों को भी नोटिस जारी किया गया है।

जेएसडब्ल्यू ने पेरिस 2024 ओलंपिक पदक विजेताओं को सम्मानित किया

प्रत्येक एथलीट को एमजी विंडसर ईवी प्रदान करता है

चंडीगढ़, 15 नवंबर, 2024 - खेल के कई विषयों के देश के सबसे बड़े कॉर्पोरेटप्रमोटरों में से एक जेएसडब्ल्यू ने आज चंडीगढ़ में पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय दल के पदक विजेताओं को सम्मानित किया। प्रत्येक पदक विजेता एथलीट को जेएसडब्ल्यूसीमेंट और जेएसडब्ल्यूपेंट्स के प्रबंध निदेशक और जेएसडब्ल्यूस्पोर्ट्स के संस्थापक पार्थ जिंदल द्वारा बिल्कुल नई एमजीविंडसरईवी - देश का पहला इंटेलिजेंटक्रॉसओवरयूटिलिटीव्हीकल (सीयूवी) प्रदान किया गया।

यह सम्मान समारोह जेएसडब्ल्यू समूह के चेयरमैन श्री सज्जन जिंदल द्वारा पेरिस ओलंपिक खेलों में प्रत्येक पदक विजेता को एमजी विंडसर उपहार स्वरूप देने की पूर्व में की गई प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसने भारत में ईवी परिदृश्य को नई परिभाषा दी है।

पश्चिम रेलवे द्वारा 'कवच' के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण प्रगति

पश्चिम रेलवे स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) तकनीक 'कवच' की स्थापना में लगातार प्रगति कर रही है, जो ट्रेन सुरक्षा और परिचालन दक्षता को काफी बढ़ाती है। अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) द्वारा विकसित, ढाल को ट्रेन टकराव को रोकने, जोखिम में सिग्नल पासिंग (एसपीएडी) से बचने में सार्वजनिक पायलटों की सहायता करने और निरंतर गति पर्यवेक्षण सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रणाली एंथ्रें के 50126, 50128, 50129 और 50159 (एइ्थ-4) सहित अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करती है और इसकी सीमा 200 किमी है। प्रति घंटा तक गति समायोजित करने के लिए डिज़ाइन किया गया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शील्ड कई महत्वपूर्ण सुरक्षा सुविधाएँ प्रदान करती है। यह सुनिश्चित करता है कि ट्रेनें अनुमेय गति सीमा के भीतर चलें और गति की वास्तविक समय पर निगरानी प्रदान करता है, जिससे पायलटों को नियंत्रण बनाए रखने में मदद मिलती है। यह प्रणाली पायलट की कैब में जनता को सीधे सिग्नलिंग पहलुओं और निरंतर गति नियंत्रण को प्रदर्शित करके दुर्घटनाओं को रोकने में भी मदद करती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह संभावित ट्रेन दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे नेटवर्क पर समग्र सुरक्षा में सुधार होता है।

श्री विनीत ने बताया कि पश्चिम रेलवे पर वर्तमान में वडोदरा-अहमदाबाद सेक्शन सहित मुंबई सेंट्रल-नागदा सेक्शन पर 90 लोगों के साथ 789 किमी की दूरी तय करने का काम चल रहा है। अब तक, पश्चिम रेलवे ने महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है, कुल 789 किमी में से 503 किमी का सफलतापूर्वक परीक्षण किया जा चुका है और 90 में से 73 लोकोमोटिव पहले से ही शील्ड सिस्टम से लैस हैं। इस खंड को चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य है।

श्री विनीत ने आगे कहा कि वडोदरा-अहमदाबाद खंड के 96 किमी तक फैले स्वचालित सिग्नलिंग खंड पर कवच प्रणाली के संस्करण 4.0 का उपयोग करके सार्वजनिक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है, और बकाया मुद्दों को हल करने के लिए आगे के परीक्षण चल रहे हैं। इसी तरह, विरार-सूरत-वडोदरा खंड (स्वचालित सिग्नलिंग खंड) के 336 किमी में से 234 किमी पर परीक्षण पूरा हो चुका है, और बाकी पर काम जारी है। वडोदरा-रतलाम-नागदा खंड (गैर-स्वचालित सिग्नलिंग खंड) के 303 किमी में से 173 किमी का लोको परीक्षण पूरा हो चुका है। अंत में, मुंबई सेंट्रल-विरार उपनगरीय खंड (स्वचालित सिग्नलिंग खंड) पर टावरों का निर्माण और ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) बिछाने का काम चल रहा है, जो 54 किमी तक फैला है। इसके अलावा, अहमदाबाद, राजकोट और रतलाम मंडलों में कुल 1569 किमी ट्रैक साइड कवर कार्य के लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं, जिनमें से 836 किमी के लिए बोलियां खोली गई हैं।

पश्चिम रेलवे कवच प्रणाली के सफल कार्यान्वयन के माध्यम से यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने और परिचालन दक्षता में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है। पहले हासिल की गई महत्वपूर्ण प्रगति के साथ, पश्चिम रेलवे निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने स्थापना और परीक्षण लक्ष्यों को पूरा करने की राह पर है, जो रेलवे सुरक्षा नवाचार में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अक्टूबर 2024 में कट और पॉलिश डायमंड निर्यात में दोहरे अंक की वृद्धि के साथ पुनः प्रवर्तन होगाः जीजेईपीसी

15 नवंबर 2024, मुंबईः भारत के रत्न और आभूषण निर्यात ने अक्टूबर 2024 में प्रगति की है, जो कई उत्पाद श्रेणियों में सकारात्मक वृद्धि के साथ एक महत्वपूर्ण मोड़ है, विशेष रूप से कट औरपॉलिशडायमंड, गोल्ड ज्वेलरी (प्लेन औ-स्डेड) औरपॉलिश लैब ग्रोन डायमंड। अक्टूबर 2024 में, रत्न और आभूषणों का कुलसकलनिर्यात2,998.04 मिलियन अमेरिकीडॉलर(25,194.41करोड़ रुपये)तक पहुंच गया, जो कि 2,746.09 मिलियन अमेरिकी डॉलर (22,857.16 करोड़ रुपये) की तुलना में डॉलर के संदर्भ में 9.18% और रुपये के संदर्भ में 10.23% की वृद्धि दर्शाता है।

निर्यात में वृद्धि पर टिप्पणी करते हुए, जीजेईपीसी के अध्यक्ष, श्री विपुल शाह ने कहा, ठयह हमारे उद्योग के लिए एक स्वागत योग्य राहत है, क्योंकि हमने अक्टूबर में 9.18% की निर्यात वृद्धि का अनुभव किया है। विशेष रूप से, कट और पॉलिश के निर्यात में 11.32% की वृद्धि हुई है। अक्टूबर 2023 की तुलना में %। हम आशावादी हैं कि यह प्रवृत्ति जारी रहेगी, विशेष रूप से पश्चिम में छुट्टियों के मौसम के साथ, जिससे रत्न और आभूषणों की मांग में और वृद्धि होगी, इसके अलावा, जीजेईपीसी नए बाजारों में विस्तार करने के लिए ठोस प्रयास कर रही है मौजूदा मांग में मजबूती।''

शेमारूमीने इस त्योहारी मौसम में पेश किया '13 हफ्ते, 13 कहानियां' का अभियान

अहमदाबाद : त्योहार के रंगीन मौसम को देखते हुए गुजराती कॉन्टेंट में अग्रणी शेमारूमी ओटीटी प्लेटफार्म ने एक नया अभियान शुरू किया है जो है '13 हफ्ते, 13 कहानियां' जिसके तहत दर्शकों को कई अद्भुत फिल्म, सीरीज का अनुभव लेने का मौका मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य परिवार और दोस्तों को एक साथ लाना है ताकि वे गुजराती संस्कृति की अनूठी कहानियों से एक जुड़ाव और उत्सव का अनुभव कर सकें।

इस अक्टूबर से हर गुरुवार एक नई कहानी प्रस्तुत की जाएगी, जिसमें दर्शक गुजराती कहानियों की विविधता और रंगत में खो सकते हैं। '13 हफ्ते, 13 कहानियां' इसके तहत 13 चुनिंदा शीर्षक पेश किए जाएंगे, जो ड्रामा, थ्रिलर, कॉमेडी और दिल को छूने वाली कहानियों का मिश्रण पेश करेंगे।

इनमें राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म हिलारो, बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ने वाली झमकुड़ी और बहुप्रतीक्षित राजनीतिक फिल्म राडो शामिल हैं। शेमारूमी के एक्सक्लूसिव ड्रामा वेब सीरीज में खेल खेले खलैया, मानस मात्र लफड़ा ने पत्रा और संता कुकड़ी के दोनों सीजन शामिल हैं। इसके अलावा, जय श्री कृष्ण, विटामिन शे, मारू मन तारु थायू, पगड़ी, तारी साथे, और मौनम जैसी कहानियां भी देखने को मिलेंगी।

13 हफ्ते, 13 कहानियां' के साथ, शेमारूमी अपने गुजराती दर्शकों के लिए मनोरंजन के स्तर को बढ़ाने के लिए पूरी तरह से तैयार है, जिससे हर हफ्ता गुजराती कहानियों के साथ दर्शक अपने त्योहार का जश्न मनाएंगे। ऐसे में इस अद्भुत लाइनअप का आनंद लेने का मौका हाथ से न जाने दें!

बिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड ने परिचालन से रु. 51.66 करोड का राजस्व दर्ज किया

सूरत, 15 नवंबर, 2024: भारत में एयरेटेड ऑटोक्लेव्ड कंक्रीट (एएसी) ब्लॉक, ब्रिक्स और पैनल के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक, बिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड ने सितंबर 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए परिचालन से रु. 51.66 करोड की राजस्व की सूचना दी है जो कि वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में रु. 58.90 करोड थी। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए एबिटा रु. 7.66 करोड (एबिटा मार्जिन 14.89%) दर्ज की गई, जो वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में रु. 14.86 करोड (एबिटा मार्जिन 25.30%) थी। वित्त वर्ष 2025 के दूसरी तिमाही के दौरान कन्सोलिडेटेड शुद्ध लाभ रु. 2.18 करोड बताया गया।

29 अगस्त, 2024 को आयोजित वार्षिक आम बैठक के दौरान, कंपनी ने 1:1 के अनुपात में बोनस इक्विटी शेयर जारी करने को मंजूरी दी। कंपनी ने मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए 20% के अंतिम डिविडन्ड यानि की रु. 0.40 प्रति इक्विटी शेयर को भी मंजूरी दे दी, साथ ही कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी को रु. 15 करोड से बढ़ाकर प्रत्येक रु. 2 के 15 करोड इक्विटी शेयर में विभाजित करके रु. 30 करोड करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई।

कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, बिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के श्री नारायण साबूनेकहा,''वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही का वित्तीय प्रदर्शन मुख्य रूप से पश्चिमी भारत में अत्यधिक मानसून की स्थिति से प्रभावित हुआ, जिससे मांग, प्रोडक्शन शिडयूल, सप्लाय चेईन और परिचालन दक्षता प्रभावित हुई। चल रहे तीन प्लांट्स की समेकित क्षमता उपयोग 60% थी, जो टेक्नॉलोजी अपग्रेडेशन के कारण उमरगांव, वापी प्लांट के बंद होने के कारण कम थी। हम वित्त वर्ष 2015 की तीसरी और चौथी तिमाही में मजबूत वृद्धि के लिए आशावादी हैं। उमरगांव प्लांट का अपग्रेडेशन 16 अक्टूबर 2024 को पूरा हो गया है और परिचालन शुरू हो गया है जिसे धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा।''

दूसरी तिमाही के लिए स्टारबिगब्लॉक बिल्डिंग मटेरियल लिमिटेड और बिगब्लॉक बिल्डिंग एलिमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड की क्षमता का उपयोग 76% था, जबकि मानसून के कारण कम मांग के कारण सिआम सीमेंट बिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड का क्षमता उपयोग 16% था।कंपनी ने एक नया एएसी (ऑटोक्लेव्ड एरेटेड कंक्रीट) वॉल प्रोडक्ट पेश किया है, जिसके कारण उत्पादन के दौरान शुरुआती समस्याएं पैदा हुईं और लंबित प्रमाणपत्र भी कम उपयोग का एक कारण था।

एशियन ग्रेनिटो इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में रु. 384 करोड की कन्सोलिडेटेड शुद्ध बिक्री दर्ज की

अहमदाबाद,15 नवंबर,2024: देश के सबसे बड़े लक्ज़री सर्फेस और बाथवेयरसॉल्यूशंस ब्रांड्स में से एकएशियनग्रेनिटोइंडियालिमिटेड (एजीएल)ने30 सितंबर 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के दौरान परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन में सुधार की सूचना दी है।

वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के कन्सोलिडेटेड परिणामों पर एक नजर:

कंपनी ने 30 सितंबर 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के लिए रु. 4.7 करोड कन्सोलिडेटेड शुद्ध लाभ दर्ज किया है,जबकि वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाहीके लिए रु. 2.8 करोड का शुद्ध घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाहीमें कंपनी की कन्सोलिडेटेड शुद्ध बिक्री रु. 384 करोड बताई गई, जबकि वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाहीमें रु. 401 करोड की शुद्ध बिक्री हुई थी। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाहीके लिए एबिटा रु. 15.6 करोड (एबिटा मार्जिन 4.1%) रही,जो वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाहीमें एबिटा रु. 21.1 करोड (एबिटा मार्जिन 5.3%) के मुकाबले 1.2% की गिरावट है। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाहीमें निर्यात रु. 77 करोड दर्ज की गई, जो कि वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाहीमें रु. 61 करोड के निर्यात की तुलना में साल-दर-साल 26% की वृद्धि है।

परिणामों और प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के अध्यक्ष और मैनेजिंग डायरेक्टरश्री कमलेश पटेल ने कहा, ठकच्चे माल की लागत में उतार-चढ़ाव, निर्यात नीतियों और व्यवसाय और मार्जिन को प्रभावित करने वाली तीव्र प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियों के बावजूद, कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही के लिए संतोषजनक आंकडे दर्ज किए है।ठ हम रु. 6,000 करोड का कुल राजस्व हासिल करने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम हैं।

नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल के 25 अक्टूबर 2024 के आदेश के अनुसार कंपनी ने एशियन ग्रेनिटो इंडिया लिमिटेड और एफिल विट्रिफाइड प्राइवेट लिमिटेड,इवांता सेरामिक्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, क्रिस्टल सेरामिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड, एफिल सेरामिक्स लिमिटेड, इवांता सेरामिक्स लिमिटेड, क्रिस्टल विट्रिफाइड लिमिटेड, अमेजून सेरामिक्स लिमिटेड और एजीएल इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उनके संबंधित शेयरधारक और लेनदार के बीच प्रस्तावित कम्पोझिट स्कीम ऑफ अरेंजमेन्ट की समग्र योजना पर विचार करने और यदि उपयुक्त हो तो मंजूरी देने के उद्देश्य से 17 दिसंबर 2024 को इक्विटी शेयरधारकों की बैठक की सूचना दी है। कंपनी को पहले प्रस्तावित डिमर्जर के लिए स्टॉक एक्सचेंजों जैसे कि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज से नो ऑब्जेक्शन पत्र प्राप्त हुआ था।

पश्चिम रेलवे - भावनगर मण्डल

पे एन्ड युज टोयलेट ब्लोक्स के संचालन और रखरखाव के लिये ई-निलामी

पश्चिम रेलवे, भावनगर परा के मण्डल रेल प्रबंधक (कॉमर्शियल) IREPS पोर्टल के माध्यम से भावनगर मण्डल के विभिन्न स्टेशनो के पे एन्ड युज़ टोयलेट ब्लोक्स के संचालन और रखरखाव के लिए ई-निलामी आमंत्रित करते है । निलामी को IREPS वेबसाईट पर प्रकाशित कर दिया गया है । सभी विवरण निम्नानुसार हैं ।

ई-निलामी आमंत्रित करती सूचना

अनुबंध का प्रकार : पे एन्ड युज टोयलेट ब्लोक्स के संचालन और रखरखाव लिये अनुबंध

स्थान एवं संपति का विवरण — कैटलोग सं. PNU-2024-02

पे एन्ड युज टोयलेट ब्लोक्स के संचालन और रखरखाव के अनुबंध के लिये निलामी

क्रम सं.	स्टेशन	स्टेशन की कैटेगरी	विवरण
1	भावनगर टर्मिनस (BVC)	NSG-4	भावनगर टर्मिनस स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 1 के शौचालयों/मूत्रालयों / बाथरूमों का 03 वर्षों की समयावधि के लिये संचालन और रखरखाव ।
2	जुनागढ़ (JND)	NSG-4	जुनागढ़ स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 1 के शौचालयों/मूत्रालयों / बाथरूमों का 03 वर्षों की समयावधि के लिये संचालन और रखरखाव ।
3	वेरावल (VRL)	NSG-4	वेरावल स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 1 के शौचालयों/मूत्रालयों / बाथरूमों का 03 वर्षों की समयावधि के लिये संचालन और रखरखाव ।
4	बोटाद (BTD)	NSG-4	बोटाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 1 के शौचालयों/मूत्रालयों का 03 वर्षों की समयावधि के लिये संचालन और रखरखाव ।
5	गोंडल (GDL)	NSG-5	गोंडल स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 1 के शौचालयों/मूत्रालयों / बाथरूमों का 03 वर्षों की समयावधि के लिये संचालन और रखरखाव ।
6	गांधीग्राम (GG)	NSG-5	गांधीग्राम स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 1 के शौचालयों/मूत्रालयों का 03 वर्षों की समयावधि के लिये संचालन और रखरखाव ।
7	सरखेज (SEJ)	NSG-6	सरखेज स्टेशन के प्लेटफॉर्म सं. 1 के शौचालयों/मूत्रालयों का 03 वर्षों की समयावधि के लिये संचालन और रखरखाव ।

(1) ई-निलामी शुरु होने की तारीख : 02/12/2024 को 11:00 बजे से (2) निलामी में भाग लेने हेतु IREPS ई-निलामी लिज़ींग पोर्टल पर पंजीकृत होना आवश्यक है (3) अधिक विवरण हेतु www.ireps.gov.in पर लॉग ईन करें ।

BVP-137

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95